कानपुर, गुरुवार, 19 मार्च, 2026
वर्षः 03, अंकः 71, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड मां दुर्गा की दूसरी शक्ति ब्रह्मचारिणी की पावन कथा...>Pg12

रावतपुर में 49 किलो गांजा के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार...>Pg03

मूल्यः 2 ₹

6,969 करोड़ की परियोजना से तराई, व्यापार और पर्यटन को मिलेगा बड़ा बढ़ावा

बाराबंकी-बहराइच फोरलेन से खुलेगा विकास का नया कॉरीडोर

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में बाराबंकी से बहराइच तक 101.51 किलोमीटर लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग-927 को फोरलेन में अपग्रेड करने की मंजूरी दे दी गई है। इस परियोजना पर लगभग 6,969 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, इस परियोजना के तहत मौजूदा संकरी सड़क को हाई-स्पीड फोरलेन कॉरिडोर में बदला जाएगा। इससे न सिर्फ जाम की समस्या कम होगी बल्कि यात्रा का समय भी काफी घटेगा। परियोजना में करीब 3,485 करोड़ रुपये निर्माण कार्य और 1,574 करोड़ रुपये भूमि अधिग्रहण व पुनर्वास पर खर्च किए जाएंगे।

विकास की नई धुरी बनेगा हाईवे: यह परियोजना सिर्फ सड़क चौड़ीकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे तराई क्षेत्र के आर्थिक विकास की नई धुरी बनने जा रही है। बाराबंकी से बहराइच मार्ग नेपाल सीमा से जुड़े अहम व्यापारिक केंद्रों को जोड़ता है। फोरलेन बनने के बाद अंतरराष्ट्रीय व्यापार को गति मिलेगी और सीमा पार आवाजाही भी सुगम होगी।

सामरिक दृष्टि से भी अहम

यह मार्ग सामरिक रूप से भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह नेपाल सीमा के नजदीक स्थित है। फोरलेन बनने से सेना और सुरक्षा बलों की आवाजाही तेज और सुगम होगी, जिससे सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी। कुल मिलाकर, बाराबंकी-बहराइच फोरलेन परियोजना उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में विकास, व्यापार और कनेक्टिविटी का नया अध्याय लिखने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

- यूपी में चल रही प्रमुख सड़क/हाईवे परियोजनाएं
- गंगा एक्सप्रेस-वे (मेरठ से प्रयागराज)
- पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे (लखनऊ से गाजीपुर)
- बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे
- गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे
- लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे (निर्माणाधीन)
- दिल्ली-वाराणसी हाई-स्पीड कॉरिडोर (प्रस्तावित)
- 101.51 किमी लंबा फोरलेन हाईवे बनेगा
- कुल लागतः 6,969 करोड़
- यात्रा समय में होगी बड़ी कमी
- नेपाल सीमा से व्यापार को मिलेगा बढ़ावा
- किसानों को बेहतर बाजार कनेक्टिविटी
- पर्यटन और स्थानीय रोजगार में इजाफा
- सामरिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों को मजबूती

किसानों और कारोबारियों को सीधा लाभ

तराई क्षेत्र के किसानों के लिए यह हाईवे वरदान साबित होगा। अब उनकी उपज को लखनऊ, कानपुर और दिल्ली जैसे बड़े बाजारों तक कम समय में पहुंचाया जा सकेगा, जिससे लागत घटेगी और मुनाफा बढ़ेगा। साथ ही छोटे और मध्यम कारोबारियों के लिए भी नए अवसर पैदा होंगे।

पर्यटन और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

इस कॉरिडोर से जुड़े क्षेत्रों में पर्यटन की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। बहराइच और आसपास के धार्मिक व प्राकृतिक स्थलों तक पहुंच आसान होने से पर्यटकों की संख्या में इजाफा होगा। निर्माण कार्य के दौरान और उसके बाद हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है।

दुनिया की अमीर महिलाओं की ताकत बढ़ी एलिस वॉल्टन लगातार दूसरे साल नंबर-1

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। फोर्ब्स की ताजा 2026 अरबपति सूची के अनुसार, दुनिया भर में कुल 3,428 अरबपतियों में से 481 महिलाएं शामिल हैं। यह कुल सूची का लगभग 14 प्रतिशत हिस्सा है और पिछले साल के मुकाबले इसमें वृद्धि दर्ज की गई है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है और वे अब नेतृत्व की भूमिका में भी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया की सबसे अमीर महिला का खिताब लगातार दूसरे वर्ष भी अमेरिका की वॉलमार्ट उत्तराधिकारी एलिस वॉल्टन के नाम रहा है। उनकी कुल संपत्ति करीब 134 अरब डॉलर आंकी गई है। वॉलमार्ट के शेयरों में उछाल के चलते उनकी संपत्ति में बड़ा इजाफा हुआ है। दूसरे स्थान पर फ्रांस की लोरियल समूह की उत्तराधिकारी फ्रांकोइस बेटेनकोर्ट मेयर्स हैं, जिनकी संपत्ति लगभग 100 अरब डॉलर है। वहीं तीसरे स्थान पर अमेरिका की जूलिया कोच हैं, जिनकी कुल संपत्ति करीब 81.2 अरब डॉलर आंकी गई है।

भारत की बात करें तो ओपी जिंदल समूह की चेयरपर्सन सावित्री जिंदल देश की सबसे अमीर महिला बनी हुई हैं। उनकी कुल संपत्ति करीब 39.1 अरब डॉलर है। वह वैश्विक स्तर पर सातवें स्थान पर हैं और टॉप-10 में शामिल एकमात्र भारतीय महिला हैं। सावित्री जिंदल स्टील, ऊर्जा, माइनिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में सक्रिय हैं और उनके नेतृत्व में जिंदल समूह लगातार विस्तार कर रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, महिला अरबपतियों की संख्या में बढ़ोतरी इस बात का संकेत है कि अब महिलाएं सिर्फ पारिवारिक संपत्ति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कारोबार, निवेश और उद्योगों में भी निर्णायक भूमिका निभा रही हैं। आने वाले वर्षों में यह हिस्सेदारी और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

फोर्ब्स 2026 रिपोर्ट

3,428

अरबपतियों में 481 महिलाएं, भारत की सावित्री जिंदल ग्लोबल टॉप-10 में

पुष्पा गैस एजेंसी खलासीलाइन के लाइसेंस निलंबन की संस्तुति

पुष्पा गैस एजेंसी की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की गई है

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर.घरेलू गैस आपूर्ति को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों पर खलासी लाइन स्थित पुष्पा गैस एजेंसी के लाइसेंस निलंबन की संस्तुति की गई। वहीं अफसरों की माने तो एलपीजी आपूर्ति अब ठीक है। शिकायतों की संख्या भी कम हो रही है। एडीएम आपूर्ति राजेश कुमार ने बताया कि शिकायत पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। पुष्पा गैस एजेंसी की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की गई है। एडीएम ने बताया कि जनपद में घरेलू गैस आपूर्ति को लेकर प्राप्त हो रही शिकायतों के आधार पर पुष्पा गैस एजेंसी, 12/480 खलासी लाइन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई है। कंट्रोल रूम के लैंडलाइन नंबर 0512-2988763 एवं व्हाट्सएप नंबर 6394616122 पर लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं कि ऑनलाइन बुकिंग के बावजूद उपभोक्ताओं को समय से घरेलू गैस की डिलीवरी नहीं की जा रही है।

मामले को गंभीरता से लेते हुए उनके निर्देश पर डीएसओ, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी कर्नलगंज एवं नवाबगंज तथा पूर्ति निरीक्षक कोतवाली व कर्नलगंज की संयुक्त टीम द्वारा उक्त एजेंसी के शोरूम एवं कार्यालय पर औचक छापेमारी की गई।

छापेमारी के दौरान मौके पर बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं की भीड़ मौजूद रही, जो गैस न मिलने से आक्रोशित थे। जांच के समय एजेंसी का प्रोपराइटर एवं मैनेजर दोनों अनुपस्थित पाए गए। मौके पर मौजूद कर्मचारी जावर अली एवं सलोनी (पुत्री मनोज पुरी) मिले, जिन्होंने स्वयं को एजेंसी पर कार्यरत बताया, लेकिन गैस स्टॉक, आवंटन एवं वितरण से संबंधित अभिलेख मांगने पर उपलब्ध नहीं करा सके। टीम द्वारा मौके पर मौजूद उपभोक्ताओं के बयान भी दर्ज किए गए, जिनमें समय से गैस आपूर्ति न होने की पुष्टि हुई।

जांच टीम जब मेनावती मार्ग स्थित एजेंसी के गैस गोदाम पहुंची तो वह भी बंद मिला। प्रारंभिक जांच एवं

उपभोक्ताओं के लिखित बयानों से स्पष्ट हुआ कि एजेंसी द्वारा न केवल उपभोक्ताओं को समय से गैस उपलब्ध नहीं कराई जा रही थी, बल्कि जांच में भी सहयोग नहीं किया गया।

इन गंभीर अनियमितताओं को दृष्टिगत रखते हुए संबंधित कंपनी के क्षेत्रीय प्रबंधक, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, लखनऊ को एजेंसी के निलंबन की संस्तुति भेज दी गई है। उन्होंने कहा कि जनपद में गैस आपूर्ति व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुचारु बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी और सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कंट्रोल रूम में सिलेंडर आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों में आई कमी

एलपीजी गैस आपूर्ति की स्थिति सामान्य बनी हुई है और शिकायतों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। 18 मार्च 2026 को जिला पूर्ति कार्यालय के कंट्रोल रूम पर कुल 35 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 8 का तत्काल निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष पर कार्रवाई जारी है।

कॉल सेंटर के माध्यम से प्राप्त शिकायतों में अधिकांश समस्याएं बुकिंग एवं डिलीवरी से संबंधित रहीं, जिनका समाधान संबंधित गैस एजेंसियों से समन्वय स्थापित कर कराया गया।
इसके साथ ही पूर्व में प्राप्त शिकायतों में से 38 मामलों का भी निस्तारण किया गया, जिससे उपभोक्ताओं को राहत मिली है।

डीएसओ राकेश कुमार ने बताया कि जनपद में गैस की पर्याप्त उपलब्धता है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और आवश्यकता के अनुसार ही गैस सिलेंडर की बुकिंग करें। प्रशासन द्वारा गैस आपूर्ति की सतत निगरानी की जा रही है और सभी एजेंसियों को समयबद्ध डिलीवरी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

ओरिएंट गैस एजेंसी में ब्लेक में बेचें जा रहे सिलेंडर

» उपभोक्ताओं से अधिक वसूली का आरोप

2000 से 2200 रुपये में बेचे जा रहे सिलेंडर

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। थाना जूही क्षेत्र अंतर्गत परमपुरवा स्थित ओरिएंट गैस एजेंसी के डिलीवरी मैन पर घरेलू गैस सिलेंडर की निर्धारित कीमत से अधिक वसूली करने के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जहां एक ओर सरकार द्वारा गैस सिलेंडर की कीमत नियंत्रित रखने का दावा किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर एजेंसी के डिलीवरी कर्मी 2000 से 2200 रुपये तक में सिलेंडर बेच रहे हैं।

उपभोक्ताओं के अनुसार, डिलीवरी के समय उनसे जबरन अधिक राशि ली जा रही है और विरोध करने पर सिलेंडर देने में आनाकानी की जाती है। इस कारण आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के कई उपभोक्ताओं ने बताया कि वे मजबूरी में अधिक कीमत चुकाने को विवश हैं, क्योंकि घरेलू उपयोग के लिए गैस सिलेंडर एक आवश्यक जरूरत है।स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से इस मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते इस तरह की मनमानी पर रोक नहीं लगाई गई तो आम जनता का शोषण जारी रहेगा।

वहीं, संबंधित विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यदि इस तरह की शिकायतें मिलती हैं तो जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। उपभोक्ताओं से भी अपील की गई है कि वे अधिक वसूली की स्थिति में इसकी शिकायत संबंधित विभाग में दर्ज कराएं, ताकि दोषियों पर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

सुबह 6 बजे सड़कों पर उतरे नगर आयुक्त सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण

लापरवाही पर नोटिस, नवरात्रि में अवैध विज्ञापनों पर चलेगा अभियान

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने सुबह 6 बजे औचक निरीक्षण किया। उन्होंने मोतीझील मेट्रो स्टेशन के नीचे बेनाझाबर रोड, टेलीफोन एक्सचेंज, परशुराम वाटिका, तिलक नगर, वीआईपी रोड, फूलबाग, बिरहाना रोड, तपेश्वरी मंदिर सहित कई प्रमुख स्थानों का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान बेनाझाबर रोड, तिलक नगर और वीआईपी रोड से फूलबाग तक मुख्य सड़कों पर सफाई व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। वहीं सिविल लाइंस वार्ड की लठ्ठा कोठी क्षेत्र में सफाई तो ठीक मिली, लेकिन नालियों में सीएंडडी वेस्ट भरा हुआ पाया गया। इस पर नगर आयुक्त ने तत्काल इसे हटाने और जल निकासी सुचारू रखने के निर्देश दिए।

स्थानीय लोगों ने बताया कि सफाई कर्मचारी और कूड़ा उठाने वाली गाड़ियां समय से नहीं आतीं, जिससे दिक्कत होती है। इस पर नगर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नियमित और समयबद्ध सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, साथ ही अवकाश के दिनों में भी कार्य प्रभावित न हो।

सरसैयाघाट चौराहे से घाट तक गंदगी मिलने और सुबह 8 बजे तक झाड़ू न लगने पर नगर आयुक्त ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित सफाई नायक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए और तत्काल सफाई कराकर जियोटैग फोटो उपलब्ध कराने को कहा।

अवैध विज्ञापन पर चलेगा अभियान

बिरहाना रोड और तपेश्वरी मंदिर परिसर में अवैध होर्डिंग और क्यास्क मिलने पर नगर आयुक्त ने निर्देश दिए कि नवरात्रि पर्व से पहले विशेष अभियान चलाकर सभी अवैध विज्ञापन हटाए जाएं।

मंदिर परिसर में सफाई और जल निकासी पर जोर

तपेश्वरी मंदिर में नवरात्रि को देखते हुए तीन पालियों में 27 सफाई कर्मियों की तैनाती की गई है। मंदिर परिसर में जल निकासी की समस्या सामने आने पर निकास द्वार को चौड़ा करने के निर्देश दिए गए।

गलीपिट की मरम्मत युद्धस्तर पर होगी

निरीक्षण में कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त गलीपिट के कारण जल निकासी बाधित पाई गई। नगर आयुक्त ने सभी जोनल स्वच्छता अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षतिग्रस्त गलीपिट की सूची तुरंत तैयार कर जोनल अभियंताओं को दें, ताकि बरसात से पहले मरम्मत का कार्य युद्धस्तर पर पूरा कराया जा सके।नगर आयुक्त के इस औचक निरीक्षण से नगर निगम के अधिकारियों में हड़कंप मच गया है और शहर में सफाई व्यवस्था को लेकर सख्ती बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं।

कानपुर में चैत्र नवरात्रि की धूम

देवी मंदिरों में उमड़ी आस्था की भीड़

प्रमुख मंदिरों में कड़ी सुरक्षा के बीच श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। चैत्र नवरात्रि का पावन पर्व गुरुवार, 19 मार्च 2026 से पूरे श्रद्धा और उल्लास के साथ शुरू हो गया। नौ दिनों तक चलने वाले इस पर्व के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा और कलश स्थापना के साथ ही शहर के प्रमुख देवी मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। 'जय माता दी' के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया और सुबह से ही मंदिरों के बाहर लंबी कतारें देखने को मिलीं।

शहर के प्रसिद्ध तपेश्वरी देवी मंदिर (बिरहाना रोड) में तड़के से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मान्यता है कि यह मंदिर रामायण काल से जुड़ा हुआ है और यहां मां सीता ने लव-कुश का मुंडन संस्कार कराया था। मंदिर परिसर में एक साथ तीन देवी स्वरूप विराजमान हैं, जिनके दर्शन के लिए दूर-दराज से लोग पहुंचते हैं।

इसके साथ ही बारादेवी मंदिर, जंगली देवी मंदिर और काली मठिया मंदिर में भी सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। सभी मंदिरों में विशेष सजावट की गई है और माता के दरबार को फूलों व रोशनी से भव्य रूप दिया गया है।

वहीं, तपेश्वरी मंदिर के पास स्थित वैभव लक्ष्मी मंदिर में भी श्रद्धालुओं की अच्छी-खासी भीड़ रही। यहां हर वर्ष ढाई किलो की अखंड जोत जलाने की परंपरा है और शुक्रवार को भक्तों के बीच 'खजाना' वितरण का विशेष आयोजन होता है, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह रहता है। नवरात्रि के पहले दिन शहरभर के देवी मंदिरों में पूजा-अर्चना, दुर्गा सप्तशती पाठ और भजन-कीर्तन का आयोजन शुरू हो गया है। भक्त उपवास रखकर माता रानी की आराधना में जुटे हैं और पूरे नौ दिन तक विभिन्न स्वरूपों की पूजा करेंगे।

भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सभी प्रमुख मंदिरों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। मंदिर परिसरों और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस बल की तैनाती की गई है, साथ ही सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जा रही है। भीड़ प्रबंधन के लिए बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। नवरात्रि के शुभारंभ के साथ ही शहर में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हो गया है। आने वाले दिनों में भक्तों की संख्या और बढ़ने की संभावना है, जिसके चलते प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है।

⇨ पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा व कलश स्थापना

रावतपुर में 49 किलो गांजा के साथ महिला समेत तीन तस्कर गिरफ्तार

"ऑपरेशन व्हाइट पाउडर" के तहत पुलिस-क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम को सफलता, पुराने अपराधी भी गिरफ्त में

- "ऑपरेशन व्हाइट पाउडर" के तहत कानपुर में नशे के खिलाफ लगातार अभियान तेज
- 49.388 किलो गांजा बरामद–अंतरजनपदीय तस्करी नेटवर्क की आशंका
- महिला तस्कर की गिरफ्तारी से गिरोह के नए तरीकों का खुलासा
- मुख्य आरोपी पर पहले से एनडीपीएस और गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे दर्ज
- पुलिस की संयुक्त कार्रवाई–क्राइम ब्रांच और थाना पुलिस की समन्वित रणनीति
- पूछताछ के आधार पर बड़े नेटवर्क तक पहुंचने की संभावना
- कमिश्नरेट पुलिस का साफ संदेश–नशा कारोबार पर जीरो टॉलरेंस नीति

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। प्रदेश सरकार की अपराध और अपराधियों के खिलाफ सख्त नीति के तहत कानपुर कमिश्नरेट पुलिस लगातार एक्शन मोड में नजर आ रही है। इसी क्रम में चलाए जा रहे विशेष अभियान "ऑपरेशन व्हाइट पाउडर" के तहत रावतपुर थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए करीब 49.388 किलोग्राम गांजा के साथ एक महिला समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है।

यह कार्रवाई पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) के नेतृत्व में चल रहे विशेष अभियान के तहत की गई। पूरे ऑपरेशन की निगरानी डीसीपी पश्चिम, डीसीपी क्राइम, एडीसीपी क्राइम और एसीपी कल्याणपुर द्वारा की जा रही थी।

एडीसीपी क्राइम ब्रांच सुमित सुधाकर रामटेके के नेतृत्व में रावतपुर थाना प्रभारी कमलेश राय, क्राइम ब्रांच और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने मुखबिर की सटीक सूचना पर गुरुदेव चौकी क्षेत्र में घेराबंदी की। टीम ने हनुमान मंदिर के आगे, राजकीय पॉलिटेक्निक कट से पहले रेलवे लाइन की ओर संदिग्धों को रोककर तलाशी ली, जहां से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ।

पुलिस ने मौके से तीन आरोपियों काकादेव निवासी उमेश चंद्र राजपूत उर्फ अश्वनी राजपूत (59 वर्ष), उन्नाव के गंगाघाट थाना क्षेत्र निवासी अकबर अली उर्फ चिंगारी (54 वर्ष) और सलमाना बेगम (35 वर्ष) को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से चार बैग में रखे कुल 48 पैकेटों में 49.388 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी अकबर अली उर्फ चिंगारी का आपराधिक इतिहास भी रहा है और उसके खिलाफ पहले से एनडीपीएस एक्ट और गैंगस्टर एक्ट के तहत कई मुकदमे दर्ज हैं। इससे स्पष्ट होता है कि वह लंबे समय से नशा तस्करी के नेटवर्क से जुड़ा हुआ था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के संगठित अपराधों पर सख्ती से कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी हालत में अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही यह भी संकेत मिले हैं कि गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ के आधार पर इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों की तलाश तेज कर दी गई है।

माती क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग पर केडीए का बड़ा एक्शन

शहजादपुर गांव में 20 बीघा क्षेत्र में चला बुलडोजर

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। अवैध प्लाटिंग के खिलाफ कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने सख्त रुख अपनाते हुए बुधवार को माती क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। प्रवर्तन जोन-2 ए की टीम ने ग्राम सहजादपुर बारा जोड़, अकबरपुर स्थित अराजी संख्या 332, 334 समेत लगभग 20 बीघा में फैली अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई से भू-माफियाओं में हड़कंप मच गया और क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल रहा।यह कार्रवाई केडीए उपाध्यक्ष व सचिव के निर्देश पर प्रवर्तन प्रभारी संदीप मोदनवाल की देखरेख में की गई। मौके पर अवर अभियंता अनीस कुमार, प्रवर्तन दस्ता और अकबरपुर कोतवाली का पुलिस बल मौजूद रहा, जिससे पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से कराई गई।

कार्रवाई के दौरान बिना मानचित्र स्वीकृति कराए विकसित की जा रही प्लाटिंग को चिन्हित कर बुलडोजर चलाया गया। केडीए ने स्पष्ट किया है कि नियमों की अनदेखी कर अवैध तरीके से प्लाटिंग करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

तीन बड़ी सोसाइटियों को नोटिस, दी गई कड़ी चेतावनी

केडीए ने कार्रवाई के साथ ही क्षेत्र में सक्रिय तीन प्रमुख सोसाइटियों – माँ पीतांबरा सोसाइटी, राधे डेवलपर और श्याम सिटी कॉलोनी – को नोटिस जारी कर कड़ी चेतावनी दी है। प्राधिकरण ने निर्देश दिया है कि तत्काल मानचित्र स्वीकृत कराएं, अन्यथा बड़े स्तर पर ध्वस्तीकरण, सीलिंग और संबंधित भू-माफियाओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी।

संदीप मोदनवाल ने बताया कि जोन-2 ए क्षेत्र में अन्य संदिग्ध प्लाटिंग स्थलों को भी चिन्हित किया जा रहा है। जल्द ही वहां भी अभियान चलाकर अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।केडीए की इस सख्त कार्रवाई से यह साफ संकेत मिल गया है कि शहर और आसपास के क्षेत्रों में अवैध प्लाटिंग और भू-माफियाओं के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

आपको बता दें कि स्वराज इंडिया अखबार ने कानपुर देहात के माती, अकबरपुर क्षेत्र में अवैध निर्माण और अवैध प्लाटिंग का मुद्दा जोर से उठाया था।

कमिश्नर-डीएम नहीं उठाते फोन, जनता की समस्या कैसे सुलझे: विधायक नसीम सोलंकी

» किसी भी सरकारी नंबर पर कॉल करिए अधिकारी नहीं उठाते फोन

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी की विधायक नसीम सोलंकी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

विधायक का कहना है कि जिले के शीर्ष अधिकारी–डीएम, कमिश्नर और नगर आयुक्त–उनका फोन तक नहीं उठाते, जिससे जनता की समस्याओं का समाधान प्रभावित हो रहा है।

विधायक नसीम सोलंकी ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को लिखित शिकायत भेजी है। उन्होंने पत्र में स्पष्ट कहा कि जनप्रतिनिधियों के साथ इस प्रकार का व्यवहार न केवल अनुचित है, बल्कि इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था भी कमजोर होती है।

नसीम सोलंकी के अनुसार, पिछले एक महीने के दौरान उन्होंने कई बार जिलाधिकारी, मंडलायुक्त और नगर आयुक्त को फोन किया, लेकिन अधिकांश कॉल रिसीव नहीं किए गए। कई बार स्टाफ ने फोन उठाया, परंतु संबंधित अधिकारी से बात नहीं कराई गई और न ही बाद में कॉल

बैक किया गया।विधायक ने एक गंभीर घटना का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि हाल ही में बैराज क्षेत्र में चमनगंज के दो बच्चों की हादसे में मौत हो गई थी। उस समय रात करीब 12 से 1 बजे के बीच उन्होंने हैलट अस्पताल से जिलाधिकारी को फोन करने की कोशिश की, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुआ। इतना ही नहीं, अगले दिन तक भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।उन्होंने कहा कि जब अधिकारी जनप्रतिनिधियों के फोन तक नहीं उठाते, तो आम जनता की समस्याओं का समाधान कैसे संभव होगा। यह स्थिति बेहद चिंताजनक है और प्रशासनिक जवाबदेही पर सवाल खड़े करती है।गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि वे जनप्रतिनिधियों के फोन कॉल का अनिवार्य रूप से जवाब दें।

इसके बावजूद यदि इस तरह की शिकायतें सामने आ रही हैं, तो यह प्रशासनिक तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है।फिलहाल इस पूरे मामले को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। अब देखना होगा कि प्रशासन की ओर से इस पर क्या प्रतिक्रिया आती है और क्या जनप्रतिनिधियों की शिकायतों पर कोई ठोस कार्रवाई होती है या नहीं।

बेकनगंज बाजार में ईद की खरीदारी करने को उमड़ा हुजूम

» बड़ी ईदगाह के अलावा 200 मस्जिदों में दो-दो बार नमाज

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। अपने शहर की बेकनगंज बाजार सभी सुविधाओं से युक्त होने की वजह से महिलाओं की सबसे बड़ी बाजार बन चुकी है। ईद की खरीददारी करने के लिए लाखों महिलाओं का हुजूम उमड़ा हुआ है। ये बाजार लगभग 10 वर्ग किमी में फैल चुकी है और इस बाजार में कानपुर के अतिरिक्त कानपुर देहात, उरई, हमीरपुर, फतेहपुर, जहानाबाद, बिंदकी, लालगंज, रायबरेली, उन्नाव समेत विभिन्न जिलों के परिवार खरीददारी के लिए उमड़ पड़े हैं।

यहां महिलाओं के लिए बच्चों का फीडिंग कक्ष, नमाज कक्ष, ठंडा पानी समेत तमाम प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध हैं। ये बाजार ईद के चलते काफी देर तक फैल चुकी है, बेकनगंज, चमनगंज, दलेल पुरवा, टुकनिया पुरवा, हीरामन पुरवा, दादा मियां चौराहा, पेचबाग, चमड़ामंडी, नई सड़क, नाला रोड, मोहम्मद अली पार्क, हलीम कालेज चौराहा, अजमेरी चौराहा, तलाक महल, कर्नलगंज, कागजी मोहाल तक फैल गई है।

इस बाजार में कई लाख दुकानें लगी हैं जिनमें रोजा इफ्तार के बाद भारी भीड़ है। अगर गुरुवार को चांद हो गया तो शुक्रवार अन्यथा शनिवार को ईद की नमाज अदा की जाएगी। बकरमंडी स्थित बड़ी ईदगाह के अलावा कई ईदगाहों एवं लगभग 200 मस्जिदों में दो-दो बार ईद की नमाज अदा की जाएगी। दरअसल योगी सरकार ने सड़क पर नमाज पढ़ने पर प्रतिबंध लगा दिया है, ऐसे में मस्जिद और ईदगाह के अंदर की नमाज होती है।

सम्पादकीय

शिक्षा के अनुरूप रोजगार को गति मिले

सरकारी नौकरियों की घटती संख्या, निजी क्षेत्र की जरूरतों में बदलाव, बढ़ती आबादी तथा रोजगारपरक शिक्षा के अभाव में देश में रोजगार के अवसर कम हुए हैं। कहा जाने लगा है कि अब केवल शिक्षा ही रोजगार की गारंटी नहीं रह गई है। हाल के कुछ सर्वेक्षण इस बात की पुष्टि करते हैं। पिछले दिनों इस कटु सत्य को बयां करती 'स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया 2026' रिपोर्ट आई है। रिपोर्ट बताती है कि देश में चालीस प्रतिशत युवा स्नातकों को बेरोजगार रहना पड़ता है। साथ ही उनमें से केवल सात फीसदी को ही एक वर्ष के भीतर स्थिर वेतन वाली नौकरियां मिल पाती हैं। निस्संदेह, हाल ही में सामने आए ये आंकड़े देश में रोजगार सृजन और उच्च शिक्षा तक पहुंच के बीच के असंतुलन को ही उजागर करते हैं। उल्लेखनीय है कि अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार, प्रत्येक वर्ष करीब पचास लाख स्नातक देश के कार्यबल में प्रवेश करते हैं। लेकिन उनमें से मुश्किल से आधे ही रोजगार पा सकते हैं। इसके साथ ही उन्हें कम सुरक्षित व कम वेतन वाली नौकरियां ही मिलती हैं। निश्चय ही दुनिया की सबसे अधिक युवा आबादी वाले देश के लिये यह सुखद संकेत नहीं कहा सकता है। अन्य शब्दों में कहें तो स्नातक होने और रोजगार के अवसरों के बीच व्याप्त असंतुलन के चलते भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश के कालांतर जनसांख्यिकीय दायित्व में तब्दील होने का खतरा पैदा हो रहा है। जिसे देश के नीति-नियंताओं को गंभीरता से लेना चाहिए। विशेषज्ञों का अनुमान है कि देश में कामकाजी उम्र की आबादी के साल 2030 से पहले चरम पर पहुंचने का आकलन है। इस स्थिति में चिंता जतायी जा रही है कि देश में युवा ऊर्जा के सदुपयोग करने का अवसर तेजी से कम होता जा रहा है। निर्विवाद रूप से यदि भविष्य में पर्याप्त और लाभकारी रोजगार के अवसर पैदा नहीं किए जाते हैं तो देश में बेरोजगारी बढ़ने से युवाओं के कुंठित होने का खतरा पैदा हो सकता है।वहीं दूसरी ओर भारतीय रोजगार परिदृश्य पर नजर रखने वाले विशेषज्ञ चिंता जता रहे हैं कि देश को शिक्षित युवाओं में लगातार बढ़ती निराशा, स्थिर आय और धीमी आर्थिक गतिशीलता जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। वास्तव में यहां प्रश्न केवल संख्या का ही नहीं है वरन यह रोजगार की गुणवत्ता का भी सवाल है।

देश में कई स्नातक ऐसे संस्थानों से निकलते हैं, जो शिक्षकों की कमी, पुराने पाठ्यक्रम और कमजोर उद्योग संबंधों जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। विडंबना यह भी है कि देश में कुशल श्रम को रोजगार देने में सक्षम क्षेत्र, मसलन विनिर्माण और उच्च मूल्य वाली सेवाएं पर्याप्त रूप से विकसित नहीं हुई हैं।

इसका परिणाम यह है कि डिग्री की संख्या रोजगार बाजार में मांग की संख्या के अनुपात में कहीं अधिक है। वहीं दूसरी ओर, निर्विवाद रूप से देश के रोजगार बाजार में सकारात्मक रूप से भी प्रगति के संकेत मिल रहे हैं। जाति और लिंग से जुड़ी व्यावसायिक बाधाएं धीरे-धीरे कम हो रही हैं। हालांकि, रोजगार सृजन में समांतर वृद्धि के बिना ये उपलब्धियां महत्वहीन ही होंगी। यह भी हकीकत है कि मौजूदा परिदृश्य में देश को नामांकन बढ़ाने की प्राथमिकता से हटकर रोजगार क्षमता बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा।

चुनावों में संयम-समझदारी दिखाएं राजनेता

क्षमा शर्मा

पिछले एक अर्से से हम देख रहे हैं कि हमारे नेता चुनावी मानसिकता से उबर ही नहीं पाते। कुछ कहने-करने का उनका अंदाज़ ही चुनावी हो गया है–चुनावी अर्थात्? अपने विरोधी को दुश्मन की तरह देखने का अंदाज़। राजनीति का..पिछले एक अर्से से हम देख रहे हैं कि हमारे नेता चुनावी मानसिकता से उबर ही नहीं पाते। कुछ कहने-करने का उनका अंदाज़ ही चुनावी हो गया है–चुनावी अर्थात्? अपने विरोधी को दुश्मन की तरह देखने का अंदाज़। राजनीति का यह स्वरूप भयावह है।देश के पांच राज्यों में चुनावों की घोषणा हो गयी है। अब चुनाव-प्रचार में तेज़ी आयेगी।

इस तेज़ी का एक मतलब नेताओं के भाषणों में तेज़ी आना है। वैसे भी, हमारे नेता, चाहे वे किसी भी दल वाले हों, बोलने में किसी से पीछे नहीं हैं, पर अब यह बड़बोलापन और उभर कर सामने आयेगा। हमारे नेता कभी भी, कहीं भी, कुछ भी बोल सकते हैं। ताज़ा उदाहरण असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा है। एक समाचार-चैनल के कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने घोषणा कर दी है कि वर्ष 2031 तक वे असम के सभी कांग्रेसी नेताओं को अपने दल, यानी भाजपा, में समाहित कर लेंगे। यह कहकर वे बताना चाहते थे कि अगले पांच साल में, वे असम राज्य को कांग्रेस-विहीन बना देंगे। दस साल पहले कुछ ऐसा ही नारा भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भी दिया था–वे देश को कांग्रेस मुक्त बनाना चाहते थे। वैसे उन्हें अधिकार है अपनी बात को अपने ढंग से समझाने का, पर सामान्य समझ यह बताती है कि इन नेताओं का लक्ष्य या उद्देश्य देश की राजनीति को एकदलीय बनाना है। हमारे जनतंत्र में ऐसा होना न तो वांछित है, न ही संभव, पर ऐसा इरादा रखनेवालों को कौन रोक सकता है?हमारा भारत बहुत बड़ा देश है। आसेतु-हिमालय यहां अनेक धर्म हैं, अनेक विचारधाराएं हैं। देश के हर नागरिक को अधिकार है अपनी बात कहने, अपनी बात समझाने का, अपनी विचारधारा के प्रचार-प्रसार का। हर नागरिक को यह भी अधिकार है कि वह दूसरे को गलत सिद्ध करने की कोशिश करे। शर्त बस यह है कि वह यह काम तार्किक ढंग से, विवेकशील तरीके से करे-- यह सब करते हुए दूसरे के इस अधिकार को भी स्वीकारे कि उसे भी अपनी बात कहने का उतना ही अधिकार है। बात सिर्फ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की नहीं है, बात एक ऐसी व्यवस्था को भी स्वीकारने की है जिसे हमने अपने लिए चुना है।हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था में अलग-अलग विचारों को रहने-पनपने के अवसर हैं। हर रंग के फूल खिलें, हर फूल की अपनी गंध हो। रंग और गंध की यह विभिन्नता हमारे बगीचे का सौंदर्य है और यह विभिन्नता हमारी ताकत भी है। बनी रहनी चाहिए यह विभिन्नता, ताकि हमारी ताकत भी बनी रहे।देश में एकता का मतलब यह है कि विभिन्न धर्मों, जातियों, वर्गों का होने के बावजूद हमारे भीतर यह अहसास बना रहे कि हम सब इस देश के नागरिक हैं, देश के हित में ही हम सबका हित निहित है। इसका मतलब यह भी है कि विभिन्न विचारधाराओं का मतलब यह नहीं है कि हम एक-दूसरे के दुश्मन हैं।

हम एक-दूसरे के विरोधी हो सकते हैं, एक-दूसरे को गलत मान सकते हैं, बता सकते हैं। पर हम यह कदापि नहीं चाहेंगे कि दूसरे की कीमत पर हम अपना हित साधें।हमें एकता और एकरूपता के अंतर को पहचानना होगा। एकरूपता चाहने का मतलब है दूसरे के अस्तित्व को नकारने की कोशिश करना, जबकि एकता हमें साथ मिलकर आगे बढ़ने का अवसर देती है, अर्थ समझाती है। एकता हमें बताती है कि हमारा हित एक-दूसरे के साथ होने, साथ जीने में है, जबकि एकात्मकता का अर्थ है भिन्नता का मिट जाना। किसी अस्तित्व का इस तरह का नकार आध्यात्मिक अर्थों में भले ही आकर्षक लगता हो, पर लौकिक जीवन में यह अद्वैत' समस्याओं को जन्म देने वाला ही हो सकता है।

वैश्विक दबंगई देखने को लाचार संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र

निखिल त्यागी

कह सकते हैं कि संयुक्त राष्ट्र की भूमिका ऐसे समन्वय केंद्र के रूप में कार्य करने की सोची गई, जिसके मंच पर विश्व के सभी राष्ट्र उसके साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम कर सकें। लेकिन सवाल यह है कि क्या संयुक्त राष्ट्र संघ ऐसा कर सका है? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है।ईरान के खिलाफ अमेरिकी-इजरायली कार्रवाई के बाद एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका और औचित्य दोनों पर सवाल उठा है। दिलचस्प यह है कि अमेरिका ने अतीत में जब भी ऐसी कार्रवाई की, उसने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों को लागू करने का बहाना बनाया। चूंकि मौजूदा अमेरिकी राष्ट्र डोनाल्ड ट्रंप अलबेले राजनेता हैं, उनके लिए नियम-कायदों और जगतगति से ज्यादा उनकी अपनी जुबान और सोच मायने रखत है। इसलिए ईरान के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ की ओट लेने की औपचारिकता भी नहीं निभाई।

संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना का सबसे बड़ा कारण प्रथम विश्व युद्ध के बाद गठित लीग ऑफ नेशन्स की असफलता रही। अमेरिकी राष्ट्रपति वुडरो विल्सन की पहल पर प्रथम विश्व युद्ध के बाद 10 जनवरी 1920 को स्थापित लीग ऑफ नेशन्स पहला ऐसा अंतर्राष्ट्रीय संगठन था, जिसका मुख्य उद्देश्य कूटनीति और सामूहिक सुरक्षा के जरिए विश्व शांति बनाए रखना था। लीग ऑफ नेशन्स का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रों के बीच के विवादों को सुलझाना, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामूहिक सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना और वैश्विक स्तर पर निरस्त्रीकरण को अमली-जामा पहनाना रहा। लेकिन जिनेवा में स्थित वह संस्था ऐसा करने में पूरी तरह नाकाम रही। उसकी नाकामी के चलते जर्मनी और जापान ने विस्तारवादी नीतियां ना सिर्फ अपनाईं, बल्कि रोजाना नए-नए राष्ट्रों पर कब्जा और हमला करने लगे। इसके बाद जो हुआ, वह विश्व इतिहास के काले पन्नों में दर्ज है। बेशक लीग ऑफ नेशन्स को 20 अप्रैल 1946 को आधिकारिक रूप से भंग किया गया, लेकिन इसके पहले ही 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र की स्थापना कर दी गई। इसकी स्थापना के लिए बड़ा आधार जापान पर हुए अमेरिकी अणुबम हमले के बाद उपजी मानवीय त्रासदी रही। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई।संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाना और विश्व में शांति और सुरक्षा बनाए रखना था। लेकिन सवाल यह है कि क्या वह अपने इस प्राथमिक उद्देश्य में सफल है? इस पर चर्चा से पहले संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर ध्यान देना जरूरी है, जिसके अनुसार संयुक्त राष्ट्र का मुख्य उद्देश्य, दुनिया भर में शांति बनाए रखना और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान करना है। इसके साथ ही उसका एक और मकसद, राष्ट्रों के बीच समानता और आत्म-निर्णय के सिद्धांतों के आधार पर दोस्ताना संबंधों का विकास करना भी रहा है। संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में साफ लिखा है कि यह अंतरराष्ट्रीय संगठन बिना किसी जाति, लिंग, भाषा या धर्म के भेदभाव के पूरी दुनिया के मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देगा। उसका मकसद, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय समस्याओं को हल करने के लिए राष्ट्रों के बीच सहयोग स्थापित करने के साथ ही, गरीबी दूर करने, भूख, बीमारी और निरक्षरता से लड़ने और प्राकृतिक आपदाओं के समय सहायता प्रदान करने के लिए कार्य करना भी है। इसके साथ ही उसकी भूमिका अंतरराष्ट्रीय संधियों और कानूनों के प्रति सम्मान बनाए रखने के लिए प्रयास करने की भी है।कह सकते हैं कि संयुक्त राष्ट्र की भूमिका ऐसे समन्वय केंद्र के रूप में कार्य करने की सोची गई, जिसके मंच पर विश्व के सभी राष्ट्र उसके साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम कर सकें। मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र की हालत सड़क के किनारे बैठे उस असहाय व्यक्ति जैसी हो गई है, जो सड़क पर जारी मारपीट को असहाय भाव से टुकुर-टुकुर देखते को मजबूर रहता है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का सबसे प्रमुख उद्देश्य युद्धों को रोकना है। लेकिन ना तो यह शीत युद्ध को रोक सका, ना ही मौजूदा दौर के संघर्षों को रोक पा रहा है। 1991 के खाड़ी युद्ध के लिए तो अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जार्ज बुश ने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव को ही बहाना बनाया था। 2001 में भी जार्ज बुश के बेटे जूनियर जार्ज बुश और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने भी इराक और अफगानिस्तान पर हमले के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों और उसकी सेना की ओट ली थी।

नवरात्र-ईद पर पुलिस का कड़ा पहरा सादी वर्दी में 'बवालियों' पर नजर

एसीपी के सख्त तेवर, जरा सी गड़बड़ी पर होगी सख्त कार्रवाई

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। नवरात्र और ईद के मद्देनजर इस बार पुलिस ने सुरक्षा के लिए पहले से ही व्यापक रणनीति तैयार कर ली है। त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पूरे सर्किल में पुलिस फोर्स अलर्ट मोड पर है। एसीपी बिल्हौर मंजय सिंह ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा है कि त्योहारों में खलल डालने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

- ⇨ सर्किल के सभी थानाध्यक्षों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश

उन्होंने सर्किल के चौबेपुर, शिवराजपुर, ककवन, बिल्हौर और अरौल थानों को हाई अलर्ट पर रखते हुए सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं।पुलिस की खास रणनीति के तहत सादी वर्दी में पुलिसकर्मी बाजारों, भीड़भाड़ वाले स्थानों और धार्मिक स्थलों के आसपास तैनात रहेंगे। इसका मकसद संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत नजर रखते हुए बवालियों पर मौके पर ही कार्रवाई करना है। ईद की नमाज को लेकर भी पुलिस पूरी तरह सतर्क है। मस्जिदों और ईदगाहों के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी रखी जाएगी, वहीं भीड़ नियंत्रण और ट्रैफिक व्यवस्था के लिए भी विशेष प्लान लागू किया जाएगा।

एसीपी ने यह भी साफ किया कि अफवाह फैलाने, माहौल बिगाड़ने या सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे शांति बनाए रखें, अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

हिस्ट्रीशीटरों की गतिविधियों पर कड़ी नजर

पुलिस सूत्रों के मुताबिक बिल्हौर सर्किल में पहले से चिन्हित हिस्ट्रीशीटरों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। उच्च अधिकारियों के निर्देश पर पुलिसकर्मी सादी वर्दी में रहकर उनकी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं। सूत्र बताते हैं कि पुलिस इन हिस्ट्रीशीटरों का पूरा बायोडाटा खंगाल रही है वे कहां आते-जाते है, किन लोगों के संपर्क में हैं और वर्तमान में उनकी गतिविधियां क्या है।संदिग्ध गतिविधि मिलने पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

पत्नी रूठकर मायके गई पति ने बच्चे के कपड़े देने के बहाने बुलाकर पीट दिया

स्वराज इंडिया ब्यूरो

चौबेपुर/बिल्हौर(कानपुर)। थाना चौबेपुर क्षेत्र में घरेलू विवाद का मामला उस समय तूल पकड़ गया जब पति ने पत्नी को बच्चे के कपड़े देने के बहाने बुलाकर कथित तौर पर उसके साथ मारपीट कर दी। पीड़िता ने थाने पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है।

- ⇨ बीच रास्ते मारपीट, जान से मारने की धमकी का आरोप
- ⇨ 8 साल की बेटी से मिलने नहीं दिया, महिला ने पुलिस से लगाई गुहार

पिपरी निवासी प्रीति शुक्ला पत्नी राजीव शुक्ला के अनुसार, पति-पत्नी के बीच विवाद के चलते वह मायके चली गई थीं। 22 फरवरी को पति ने उन्हें बच्चे के कपड़े देने के लिए बर्रा बाईपास बुलाया। आरोप है कि वहां पहुंचते ही पति ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी दी। मौके पर मौजूद महिला की भौजाई व अन्य परिजनों ने किसी तरह बीच-बचाव कर उन्हें बचाया। पीड़िता का आरोप है कि उसका पति शराब का आदी है और अक्सर उसके साथ मारपीट करता है। ससुराल पक्ष पर भी उत्पीड़न में सहयोग करने का आरोप लगाया गया है। महिला ने बताया कि जब वह ससुराल पहुंची तो उसे घर से भगा दिया गया और उसकी 8 वर्षीय बेटी, जो पिता के पास है, उससे मिलने तक नहीं दिया गया।

महिला के अनुसार, थाने में बुलाए जाने पर आरोपी पति कुछ देर बाद वहां से चुपचाप भाग गया। पीड़िता ने पुलिस से सुरक्षा दिलाने और उचित कार्रवाई की मांग की है। उधर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी पति की तलाश शुरू कर दी है।

लूट और टप्पेबाजी का मास्टरमाइंड गिरफ्तार, कट्टा बरामद

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। ककवन थाना क्षेत्र में लूट और टप्पेबाजी की घटनाओं का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने कन्नौज जनपद के ठठिया थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव निवासी आरोपी को दबोचा है, जो लंबे समय से वारदातों को अंजाम दे रहा था।पुलिस के मुताबिक, जनवरी माह में एक महिला को रास्ते में रोककर पता पूछने के बहाने बातचीत में उलझाया गया और उसके कानों के जेवर उतरवा लिए गए। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। वहीं फरवरी में आरोपी और उसके साथियों ने एक दंपति को सुनसान रास्ते पर रोक लिया और तमंचे के बल पर जेवर व नकदी लूटकर फरार हो गए। इन घटनाओं के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया था। मामलों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने जांच तेज की और सीसीटीवी फुटेज व सर्विलांस की मदद से आरोपी तक पहुंच बनाई।

- ⇨ सीसीटीवी व सर्विलांस की मदद से पुलिस ने आरोपी को दबोचा
- ⇨ जनवरी-फरवरी की वारदातों का हुआ खुलासा, साथी अब भी फरार
- ⇨ पूछताछ में कबूला जुर्म, लूट की रकम भी बरामद

कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने वारदातों में शामिल होने की बात कबूल कर ली है।पुलिस ने आरोपी के पास से एक अवैध कट्टा, दो जिंदा कारतूस और लूट की रकम बरामद की है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है, जबकि उसके फरार साथियों की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है।एसीपी मंजय सिंह ने बताया कि जल्द ही गिरोह के अन्य सदस्यों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बच्चों को पौष्टिक एवं स्वादिष्ट भोजन परोसना रसोइया की जिम्मेदारी

स्वराज इंडिया न्यूज

बिल्हौर (कानपुर)। पौष्टिक एवं स्वादिष्ट भोजन का जीवन शैली में बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है यदि रसोइया पौष्टिक एवं स्वादिष्ट भोजन के साथ शुद्धता का ध्यान रखता है तो भोजन शरीर को लाभ पहुंचाने का कार्य करता है। रसोइया भोजन की विधियों को ध्यान रखते हुए भोजन पकाता है तो भोजन जीवन शैली को बदल देता है। कहते है जैसा खाओगे अन्न वैसा रहेगा मन बिना भोजन के बच्चे शिक्षा ग्रहण नही कर सकते पौष्टिक भोजन बनाने के लिए एक बेहतरीन रसोइया की आवश्यकता होती है।

- ⇨ बीएसए ऑफिस में किया गया प्रतियोगिता का आयोजन
- ⇨ जिले के विभिन्न स्कूलों की रसोइयों ने किया प्रतिभाग

बेसिक शिक्षा के बच्चों को मिड डे मील की योजना से लाभान्वित किया जा रहा है जिससे बच्चे भोजन को ग्रहण करके अच्छी शिक्षा ग्रहण कर सके। जिसको ध्यान में रखते हुए जनपद कानपुर नगर के दस ब्लाकों की मिड डे मील को पकाने वाली रसोइया की रसोइया पाक-कला प्रतियोगिता का आयोजन बेसिक शिक्षा कार्यालय गोविंद नगर में किया गया। जनपद स्तरीय पाक कला प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि कोषाधिकारी जयश्री सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत सिंह द्वारा माँ के चरणों मे दीप प्रज्वलित करके किया। लेखाधिकारी शिशिर जायसवाल ने सभी प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाया। प्रतियोगिता में जनपद कानपुर नगर के दस ब्लाकों से 23 रसोईयों ने प्रतिभाग किया। रसोईयों ने तीन राउंड में भोजन को बनाने एवं परोसने का हुनर दिखाया जिसके लिए 55 अंक निर्धारित किये गए। जिसको ध्यान में रखते हुए जनपद कानपुर नगर के दस ब्लाकों की मिड डे मील को पकाने वाली रसोइया की रसोइया पाक-कला प्रतियोगिता का आयोजन बेसिक शिक्षा कार्यालय गोविंद नगर में किया गया।

बिल्हौर के रसूलपुर की रानी रहीं जिले में अव्वल

प्राथमिक विद्यालय रसूलपुर की रसोइया श्रीमती राम रानी प्रथम, ककवन के कम्पोजिट विद्यालय औरोहतापुर की रेनू शर्मा को द्वितीय, घाटमपुर के कम्पोजिट विद्यालय सयोड़ी की कमल किशोरी को तृतीय निर्णायक मंडल ने मानक के अनुसार रसोईयों को विजेता घोषित किया। प्रतियोगिता में विजेता रसोईयों को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत सिंह ने प्रथम को 3500 रु, द्वितीय को2500रु व तृतीय को 1500 रु की धनराशि ट्राफी और प्रशस्ति पत्र से नवाजा गया शेष रसोईयों को सांत्वना पुरस्कार के रूप में 300 रु के साथ प्रमाण पत्र भी दिया। जिला समन्वयक सौरभ पांडेय ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को यात्रा भत्ता के रूप में 350 रुपए भी दिए। समस्त धनराशि पी एफ एम एस के माध्यम से रसोइयों के खाते में प्रेषित की गई है। संचालन एस आर जी अलका गुप्ता द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ अभिषेक मिश्रा, श्रीमती मनीषा प्रधानाचार्य रामपुर भीमसेन, जिला समन्वयक नरेंद्र कुमार, आभा गंगवार, नीलम यादव, नीलम शर्मा, अर्चना सागर आदि लोग उपस्थित रहे।

नवरात्र में स्वच्छता अभियान का महापौर ने किया आह्वान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। चैत्र नवरात्र 19 मार्च 2026 से प्रारम्भ होने के दृष्टिगत नगर में धार्मिक स्थलों की स्वच्छता को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 18 मार्च 2026 को महापौर द्वारा माता बारा देवी मंदिर परिसर में सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया।

महापौर ने पार्षदों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ मंदिर परिसर में झाड़ू लगाई तथा पानी से धुलाई कराई। इस दौरान श्री नवीन पण्डित, श्री नीरज वाजपेयी, श्री अमित जायसवाल, श्री मनीष मिश्रा, श्री अभिनव शुक्ला 'गोलू', श्री योगेन्द्र शर्मा, श्री नीरज रस्सेल, श्रीमती विद्या वर्मा, श्री कौशल किशोर मिश्रा, श्री आकर्ष वाजपेयी एवं श्री हरी स्वरूप तिवारी सहित अन्य पार्षद उपस्थित रहे।महापौर ने इस अवसर पर शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि नवरात्र के पावन अवसर पर सभी श्रद्धालु अपने आसपास के मंदिरों में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें, जिससे पूजा-अर्चना के दौरान स्वच्छ एवं पवित्र वातावरण बना रहे। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।नगर निगम द्वारा नवरात्र को लेकर शहर के प्रमुख मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों पर साफ-सफाई, जल व्यवस्था और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

मुठभेड़ में दबोचा गया बिधनू कांड का मुख्य आरोपी

» पुलिस पर फायरिंग के बाद जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली

» शव को लेकर 22 घंटे हंगामा, प्रशासन ने 10 लाख मुआवजा व अन्य मदद का दिया आश्वासन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बिधनू क्षेत्र में लापता बालिका से दुष्कर्म के बाद हत्या कर शव खेत में दफनाने के सनसनीखेज मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। बुधवार देर रात फरार मुख्य आरोपी सनी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया।

बताया जा रहा है कि बंद पड़े ईंट भट्ठे के पास आरोपी को रोकने की कोशिश की गई, तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके दाहिने पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे दबोच लिया गया।इससे पहले दिन में पीड़ित परिवार और ग्रामीणों ने आरोपियों की गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर जमकर हंगामा किया। हालात उस वक्त और बिगड़ गए जब बाहरी संगठन के कुछ लोग मौके पर पहुंचे और परिवार को उकसाते हुए शव उठाने से मना कर दिया। इस दौरान पुलिस से धक्का-मुक्की और पथराव भी हुआ, जिसके बाद पुलिस को हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को खदेड़ना पड़ा।प्रशासन की ओर से एसडीएम सदर अनुभव कुमार ने परिवार को रानी लक्ष्मीबाई योजना के तहत 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, आवास, जमीन का पट्टा और परिवार के एक सदस्य को नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया। इसके बाद करीब 22 घंटे बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए।

पुलिस जांच में सामने आया है कि घटना वाले दिन बालिका को खेत की ओर भेजा गया था, जिसके बाद वह लापता हो गई। ग्रामीणों के मुताबिक, आरोपी कमल और सनी उस दिन नशे में थे। आशंका है कि नशे की हालत में दोनों ने वारदात को अंजाम दिया और सबूत मिटाने के लिए शव को खेत में दफना दिया।फिलहाल पुलिस अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच में जुटी है। अधिकारियों का कहना है कि मुख्य आरोपी के पकड़े जाने के बाद पूरे मामले का जल्द खुलासा किया जाएगा और दोषियों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

करोड़ों खर्च के बाद भी हरियाली गायब मंत्री ने डीएफओ को लगाई कड़ी फटकार

» राकेश सचान के निरीक्षण में खुली वन विभाग की पोल, बोले, कागजों में पौधारोपण, जमीन पर पेड़ नहीं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिले में वन विभाग द्वारा कराए जा रहे पौधारोपण कार्यों की जमीनी हकीकत बुधवार को उस समय उजागर हो गई, जब प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने निरीक्षण के दौरान खुले मंच से डीएफओ को फटकार लगा दी। मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद क्षेत्र में हरियाली नजर नहीं आ रही है, जो गंभीर चिंता का विषय है।

मंत्री सचान एक कार्यक्रम के सिलसिले में पहुंचे थे, जहां उन्होंने विभागीय प्रदर्शनी और कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जब उन्हें जमीनी स्थिति और प्रस्तुत आंकड़ों में अंतर दिखाई दिया, तो उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों से जवाब तलब कर लिया। वन विभाग हर साल बड़े पैमाने पर पौधारोपण का दावा करता है। रिपोर्ट में लाखों पौधे लगाए जाने की बात कही जाती है और इसके लिए करोड़ों रुपये का बजट भी खर्च होता है। मंत्री ने सवाल उठाते हुए कहा कि जब हर साल इतनी बड़ी संख्या में पौधे लगाए जा रहे हैं, तो क्षेत्र में हरियाली क्यों नहीं दिख रही। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल कागजी प्रगति दिखाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसका असर जमीन पर भी नजर आना चाहिए।निरीक्षण के दौरान मंत्री ने डीएफओ पर तंज कसते हुए कहा ÷लगता है आपकी सेहत तो ठीक हो गई, लेकिन पेड़ों की सेहत का क्या हाल है?÷ मंत्री की इस टिप्पणी से कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों के बीच असहजता का माहौल बन गया। यह बयान न केवल मौके पर चर्चा का विषय बना, बल्कि बाद में सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो गया।

वीडियो वायरल, लोगों की तीखी प्रतिक्रियाएं

कार्यक्रम का वीडियो तेजी से सामने आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। लोगों ने इस पर तीखी प्रतिक्रियाएं दीं और वन विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए। कई लोगों ने इसे सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत बताया, तो कुछ ने पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने की मांग की।

अधिकारियों में मचा हड़कंप, रिकॉर्ड खंगालने की तैयारी

मंत्री की सख्ती के बाद वन विभाग के अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। सूत्रों के अनुसार, विभाग अब अपने रिकॉर्ड और जमीनी स्थिति का मिलान करने में जुट गया है। बताया जा रहा है कि जिन क्षेत्रों में पौधारोपण दिखाया गया है, वहां वास्तविक स्थिति की जांच भी कराई जा सकती है।

सरकार की मंशा स्पष्ट, लापरवाही बर्दाश्त नहीं

मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार की मंशा है कि विकास योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचे और हर योजना का असर जमीन पर दिखाई दे। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि किसी भी विभाग की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जवाबदेही तय की जाएगी। कार्यक्रम में डीएम कपिल सिंह, सीडीओ विधान जायसवाल समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री द्वारा सार्वजनिक रूप से उठाए गए सवालों के बाद सभी अधिकारियों के बीच गंभीरता का माहौल देखा गया।

चैत्र नवरात्रि के पहले दिन देवी मंदिरों में उमड़ी आस्था की भीड़

» भक्तों ने मंदिरों में पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद संवादाता। पवित्र चैत्र नवरात्रि के शुभारंभ के साथ ही क्षेत्र के देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। व्रत रखकर भक्तों ने मंदिरों में पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं नवसंवत्सर के अवसर पर लोगों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं भी दीं। क्षेत्र के प्रमुख देवी मंदिरों में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम देखने को मिले। मंदिर परिसरों में पुलिस बल तैनात रहा, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।इसी क्रम में कहिंजरी स्थित प्रसिद्ध काली देवी मंदिर इन दिनों आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। करीब 200 वर्ष प्राचीन इस मंदिर का इतिहास स्थानीय मान्यताओं और परंपराओं से जुड़ा हुआ है। हालांकि मंदिर के निर्माण को लेकर कोई लिखित प्रमाण उपलब्ध नहीं है, लेकिन बुजुर्गों के अनुसार इसकी स्थापना माल का पुरवा गांव की एक महिला द्वारा कराई गई थी। पति के निधन के बाद मायके लौटी महिला ने अपने जेवरात से माता काली की मूर्ति स्थापित कर मंदिर का निर्माण कराया था।इस मान्यता को आज भी क्षेत्र में विशेष सम्मान दिया जाता है। नवरात्रि के दौरान आसपास के गांवों में बोए गए जवारे अंतिम दिन सबसे पहले माल का पुरवा गांव के श्रद्धालुओं द्वारा ही माता को अर्पित किए जाते हैं। इसके बाद ही अन्य गांवों के लोग अपनी श्रद्धा अर्पित करते हैं। नवरात्रि के अवसर पर मंदिर में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है। माल का पुरवा, बड़ा गांव, कहिंजरी, सौंज और सिठऊपुरवा समेत कई गांवों से सैकड़ों श्रद्धालु मुख में बाना लगाकर और दंडवत करते हुए मंदिर पहुंचते हैं, जो उनकी गहरी आस्था और विश्वास को दर्शाता है।मंदिर के महंत देवेंद्र त्रिपाठी के अनुसार नवरात्रि के चलते प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए आ रहे हैं। उनका कहना है कि मां काली अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं। नवरात्रि के दौरान मंदिर परिसर में मेले जैसा माहौल बना हुआ है। वहीं रसूलाबाद कस्बे में भी नवरात्रि को लेकर खास उत्साह देखने को मिला। मुख्य चौराहे पर भगवा ध्वज वितरित किए गए, जिन्हें लोगों ने अपने घरों और दुकानों पर लगाकर पूरे कस्बे को भगवामय बना दिया।

चैत्र नवरात्र

नवरात्रि में पहले ही दिन सख्ती

अकबरपुर-भोगनीपुर में मानकविहीन लाउडस्पीकर उतरवाए

पुखरायां में पुलिस का फ्लैग मार्च, अफवाह फैलाने वालों को सख्त चेतावनी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। नवरात्रि पर्व से पहले ही जनपद में कानून-व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने और ध्वनि प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस प्रशासन ने सख्ती तेज कर दी है। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पाण्डेय के निर्देशन में थाना अकबरपुर और भोगनीपुर क्षेत्र में धार्मिक व सार्वजनिक स्थलों पर विशेष अभियान चलाकर लाउडस्पीकर/ध्वनि विस्तारक यंत्रों की सघन चेकिंग की गई। अभियान के दौरान मानकों के विपरीत संचालित उपकरणों को हटवाया गया, जबकि कई स्थानों पर ध्वनि स्तर अधिक पाए जाने पर उसे तत्काल कम कराया गया।

स्थलीय निरीक्षण के दौरान पुलिस टीम ने मंदिर, मस्जिद व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकरों की बारीकी से जांच की। जिन स्थानों पर शासन के निर्देशों का उल्लंघन मिला, वहां तत्काल प्रभाव से लाउडस्पीकर उतरवाए गए। पुलिस अधीक्षक ने मौके पर मौजूद लोगों को ध्वनि प्रदूषण नियमों की जानकारी देते हुए स्पष्ट किया कि निर्धारित मानकों का पालन हर हाल में सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।नवरात्रि को लेकर कस्बा पुखरायां में पुलिस अधीक्षक ने पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। बाजार, मुख्य चौराहों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में गश्त कर आमजन

को सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया। इस दौरान व्यापारियों, स्थानीय नागरिकों और व्यापार मंडल के पदाधिकारियों से सीधा संवाद स्थापित किया गया। दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति की जानकारी ली गई और उन्हें हर समय क्रियाशील रखने के निर्देश दिए गए।

भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नवरात्रि पर्व आस्था और श्रद्धा का प्रतीक है, जिसे आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

सोशल मीडिया की होगी मॉनिटरिंग

त्योहार के दौरान भ्रामक सूचना फैलाने वालों पर पुलिस की विशेष नजर रहेगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर निगरानी बढ़ा दी गई है। किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने या माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा पर विशेष फोकस

भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है। महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। साथ ही रात्रि गश्त को भी तेज कर दिया गया है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा सके। पुलिस की इस सख्ती और सक्रियता से साफ है कि प्रशासन इस बार नवरात्रि को हर हाल में शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए पूरी तरह मुस्तैद है।

रोडवेज बस में सवारी उतरते समय डंपर ने मारी टक्कर, यात्री घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के पटेल चौक पर उस समय बड़ा हादसा हो गया, जब रोडवेज बस से सवारी उतर रही थी और पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने बस में टक्कर मार दी। हादसे में एक यात्री घायल हो गया, जिसे तत्काल सीएचसी पुखरायां में भर्ती कराया गया।प्रयागराज नैनी निवासी अभिषेक कुमार ने बताया कि उनके भाई अमित कुमार बुधवार को झांसी डिपो की रोडवेज बस से झांसी जा रहे थे। बस भोगनीपुर क्षेत्र के झांसी-कानपुर हाईवे स्थित पटेल चौक पर सवारी उतारने के लिए रुकी थी। इसी दौरान पीछे से आए डंपर ने बस में जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर लगते ही बस में अफरा तफरी मच गई और सवारी उतर रहे यात्री अमित कुमार घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों की मदद से उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पुखरायां पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया।

बताया गया कि बस में करीब 41 यात्री सवार थे, जो बनारस से झांसी की ओर जा रहे थे। बस चालक सुरेश कुमार (निवासी बढ़ौली) और परिचालक लक्ष्मीदास (निवासी बिंदकी, फतेहपुर) सुरक्षित हैं। घटना के बाद कुछ देर के लिए हाईवे पर अफरा-तफरी और जाम की स्थिति बन गई।

इटावा रोड पर ऑटो पलटा दो महिलाएं घायल

एक की हालत गंभीर, जिला अस्पताल रेफर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के इटावा रोड पर रेंगवा गांव के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब तेज रफ्तार ऑटो अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में दो महिलाएं घायल हो गईं, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।बताया गया कि सट्टी थाना क्षेत्र के महकापुर गांव निवासी अलका (24) पुत्री सर्वेश कुमार और अंगुरी गांव की छवि शुक्ल (48) पत्नी अभिषेक शुक्ल पुखरायां बाजार खरीदारी के लिए आई थीं। खरीदारी के बाद दोनों ऑटो से अपने गांव लौट रही थीं। जैसे ही ऑटो रेंगवा गांव के पास पहुंचा, चालक नियंत्रण खो बैठा और वाहन सड़क पर पलट गया।हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने तुरंत मदद करते हुए दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पुखरायां पहुंचाया। वहां ड्यूटी पर तैनात डॉ. केदारनाथ ने प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सकों के अनुसार, छवि शुक्ल की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जबकि अलका का इलाज सीएचसी में ही चल रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इटावा रोड पर तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण अक्सर हादसे होते रहते हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

नीम के पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

गांव में सनसनी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद, कानपुर देहात। थाना क्षेत्र के सलेमपुर महेरा गांव में एक 20 वर्षीय युवक का शव उच्च प्राथमिक विद्यालय परिसर में नीम के पेड़ से लटकता मिलने से हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच शुरू कर दी है।सलेमपुर महेरा निवासी हार्दिक उर्फ हनू सिंह बीती रात से घर नहीं लौटा था। परिजनों द्वारा उसकी काफी तलाश की गई, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। गुरुवार सुबह जब ग्रामीणों ने गांव के उच्च प्राथमिक विद्यालय परिसर में लगे नीम के पेड़ से युवक का शव लटकता देखा, तो पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाया। मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम (फील्ड यूनिट) ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस का कहना है कि मामला प्रथम दृष्ट्या आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शराबी पति ने कहासुनी के बाद पत्नी को काट डाला

» नशे में घर लौटा, हुआ विवाद और फिर ताबड़तोड़ वार

» 9 साल की शादी का खौफनाक अंत, आरोपी गिरफ्तार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। डेरापुर थाना क्षेत्र के उरसान गांव में शराब के नशे में धुत पति ने पत्नी को बसूले से काट डाला। घरेलू विवाद की यह घटना इतनी भयावह थी कि जिसने भी सुना, सन्न रह गया।

पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। उरसान गांव निवासी मिथिलेश कश्यप की शादी करीब नौ साल पहले रजत कश्यप से हुई थी। शुरुआत में सब ठीक रहा, लेकिन धीरे-धीरे रजत की शराब की लत ने परिवार की नींव हिला दी। आए दिन नशे में घर लौटना, झगड़ा करना और मारपीट करना उसकी आदत बन चुकी थी। बुधवार देर रात रजत शराब के नशे में घर पहुंचा।

घर में कदम रखते ही कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि रजत का गुस्सा बेकाबू हो गया। आरोप है कि उसने पास में रखा लकड़ी छीलने वाला बसूला उठाया और मिथिलेश पर टूट पड़ा। चेहरे और सिर पर किए गए ताबड़तोड़ वार इतने खतरनाक थे कि मिथिलेश को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ी और कुछ ही देर में उसकी सांसें थम गईं। घर के भीतर हुई इस खौफनाक वारदात की भनक जब ग्रामीणों को लगी तो गांव में सनसनी फैल गई।

गुरुवार सुबह घटना की सूचना मिलते ही डेरापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। खून से सना घर और मृतका का शव देखकर हर कोई सिहर उठा।

क्षेत्राधिकारी राजीव सिरोही ने बताया कि आरोपी रजत कश्यप को गिरफ्तार कर लिया गया है। हत्या में इस्तेमाल बसूला भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है।

मायके पक्ष का आरोप: पहले भी करता था मारपीट

मृतका के भाई रवि कुमार (निवासी भरा पुरवा, थाना रूरा) डेरापुर थाने में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि रजत पहले भी शराब के नशे में बहन के साथ मारपीट करता था, लेकिन इस बार उसने सारी हदें पार कर दीं।

उरसान गांव की इस वारदात ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर शराब की लत कब तक परिवारों को बर्बाद करती रहेगी।

संकुल बैठक में सख्त संदेश: कागज नहीं, अब जमीन पर दिखेगा काम

ड्रॉपआउट बच्चों की वापसी, स्कूल चलो अभियान और नवाचार पर फोकस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विकास खंड मलासा के प्राथमिक विद्यालय घार में न्याय पंचायत गुड़ा की शिक्षक संकुल बैठक सिर्फ औपचारिकता नहीं रही, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और नामांकन बढ़ाने के लिए ठोस रणनीति बनाने का मंच बनी। बैठक में क्षेत्र के सभी स्कूलों के शिक्षक जुटे और जमीनी चुनौतियों पर खुलकर मंथन हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत नोडल शिक्षक मनोज मिश्रा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की। इसके बाद प्रधानाध्यापिका डॉ. मनोरमा ने स्कूल की प्रगति रिपोर्ट पेश करते हुए साफ कहा कि लक्ष्य तभी पूरे होंगे जब जमीनी स्तर पर जिम्मेदारी तय होगी। बैठक में एआरपी अश्वनी कटियार ने निपुण विद्यालय असेसमेंट को लेकर स्पष्ट संदेश दिया कि अब सिर्फ कागजी काम नहीं, बल्कि परिणाम देने होंगे। उन्होंने बताया कि जिले ने प्रदेश में आठवां स्थान हासिल किया है, लेकिन अभी भी सुधार की बड़ी गुंजाइश है। मलासा ब्लॉक के 42 फीसदी स्कूलों का निपुण घोषित होना सकारात्मक संकेत है, मगर बाकी स्कूलों को भी तेजी से इस स्तर तक लाना होगा।बैठक में 1 से 15 अप्रैल तक चलने वाले स्कूल चलो अभियान को लेकर स्पष्ट निर्देश दिए गए कि एक भी बच्चा स्कूल से बाहर नहीं रहना चाहिए। ड्रॉपआउट बच्चों को चिन्हित कर उनकी वापसी सुनिश्चित करने और कमजोर बच्चों के लिए रिमेडियल टीचिंग पर विशेष जोर दिया गया। शिक्षकों ने नवाचारी शिक्षण तरीकों और बेहतर परिणाम देने वाले मॉडल साझा किए। साथ ही यह भी तय हुआ कि अभिभावकों से सीधा संवाद बढ़ाकर बच्चों की उपस्थिति और पढ़ाई दोनों में सुधार किया जाएगा। इस दौरान शैलेन्द्र सचान, प्रदीप कुमार, अनुराग, दशरथ, संजय मिश्रा, रूपा, रेखा, प्रतिमा, निधि, स्वीटी वर्मा, संगीता, सोनी, अंजू, राधा देवी, मोहिनी सिंह, रश्मि सहित

10 अप्रैल को आएगी अंतिम मतदाता सूची

» पात्र मतदाता न रहें वंचित, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मतदाता पुनरीक्षण कार्य को लेकर प्रशासन सख्त नजर आ रहा है। रसूलाबाद तहसील सभागार में हुई बैठक में उपजिलाधिकारी सर्वेश सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि हियरिंग नोटिस से जुड़े सभी मामलों का निस्तारण 27 मार्च तक हर हाल में पूरा किया जाए, क्योंकि 10 अप्रैल को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होना है।उन्होंने कहा कि यदि कोई मतदाता निर्धारित दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाता है, तो उसके अन्य उपलब्ध दस्तावेजों जैसे आधार कार्ड व लेखपाल की रिपोर्ट के आधार पर भी जांच कर उसे सूची में बनाए रखा जाए। किसी भी पात्र मतदाता को सूची से बाहर नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि यह उसके लोकतांत्रिक अधिकार से जुड़ा मामला है। एसडीएम ने चेतावनी दी कि यदि किसी पात्र मतदाता का नाम अंतिम सूची से छूटता है, तो इसकी सीधी जिम्मेदारी संबंधित ईआरओ निर्वाचन पंजीकरण, और बीएलओ, की होगी और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। तहसीलदार संतोष कुमार ने भी निर्देश दिए कि हियरिंग के दौरान आने वाले ऐसे मतदाताओं को राहत दी जाए जो पूर्ण दस्तावेज नहीं दिखा पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केवल कागजी कमी के आधार पर किसी का नाम काटना उचित नहीं है, बल्कि उचित सत्यापन कर उन्हें सूची में बनाए रखना जरूरी है। बैठक में नायब तहसीलदार, ईआरओ, सुपरवाइजर व कई बीएलओ उपस्थित रहे। प्रशासन ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि मतदाता सूची को शुद्ध

जैसलपुर हाईस्कूल के प्रधानाचार्य ने चलाया प्रवेश अभियान

» शिक्षकों के साथ कक्षा आठ के विद्यार्थियों-अभिभावकों से किया संपर्क

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजकीय हाईस्कूल जैसलपुर की प्रधानाचार्य शबाना ने विद्यालय के शिक्षकों के साथ क्षेत्र में प्रवेश अभियान चलाया। इस दौरान टीम ने कक्षा आठ के विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से संपर्क किया।

अभियान के तहत परिषदीय जूनियर हाई स्कूल अनवा, गौरीरतन बांगर, बैजमाऊ और सहायता प्राप्त राधा कृष्ण जूनियर हाई स्कूल जमालपुर के छात्रों व अभिभावकों से मुलाकात की गई। प्रधानाचार्य शबाना के साथ शिक्षक सुशील कुमार और अजय कुमार कश्यप भी घर-घर जाकर अभिभावकों से मिले। टीम ने अभिभावकों को सरकार की विभिन्न शिक्षा संबंधी योजनाओं की जानकारी दी। उन्हें बताया गया कि सरकारी विद्यालयों में निःशुल्क पुस्तकें, सस्ती शिक्षा और छात्रवृत्ति जैसी कई सुविधाएं उपलब्ध हैं। साथ ही, राजकीय हाईस्कूल जैसलपुर के शैक्षिक वातावरण, योग्य शिक्षकों और बेहतर परिणामों से भी अवगत कराया गया।

अभिभावकों से अपील की गई कि वे अपने बच्चों का प्रवेश कक्षा नौ में राजकीय हाईस्कूल जैसलपुर में कराएं, ताकि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुविधाओं का लाभ मिल सके। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन और आगे की पढ़ाई के लिए भी प्रेरित किया। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि यह प्रवेश अभियान आगे भी जारी रहेगा, जिसका उद्देश्य अधिक से अधिक छात्रों को सरकारी विद्यालयों से जोड़ना है।

एनुअल टोल पास के नाम पर डिजिटल धोखा

पैसा पूरा, सुविधा शून्य-5 दिन से सिस्टम फेल, वाहन चालक परेशान

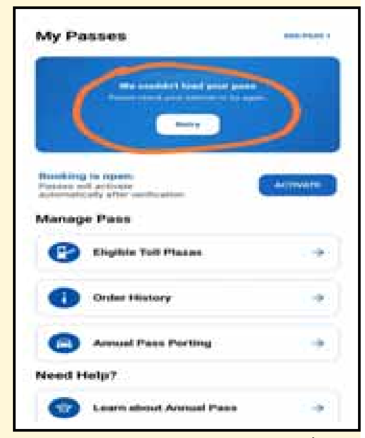

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। केंद्र सरकार की डिजिटल इंडिया पहल के तहत हाईवे सुविधाओं को आधुनिक बनाने के दावे एक बार फिर सवालों के घेरे में हैं। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा संचालित राजमार्ग यात्रा ऐप पर एनुअल टोल पास से जुड़ी गंभीर तकनीकी खामियों ने आम नागरिकों को आर्थिक और मानसिक परेशानी में डाल दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 14 मार्च की शाम करीब 6 बजे वाहन संख्या यूपी78 GX4547 के वाहन स्वामी ने अपनी कार के लिए 3000 का एनुअल टोल पास खरीदा। ऐप पर स्पष्ट रूप से उल्लेख था कि पास एक घंटे के भीतर सक्रिय हो जाएगा। लेकिन तय समय के बाद भी पास एक्टिव नहीं हुआ और देर रात 11 बजे तक स्थिति जस की तस बनी रही।

इस बीच वाहन स्वामी ने राष्ट्रीय हाईवे हेल्पलाइन 1033 पर संपर्क किया, जहां लंबी प्रतीक्षा के बाद केवल ÷तकनीकी समस्या÷ का हवाला देते हुए अगली सुबह तक समाधान का आश्वासन दिया गया। लेकिन समस्या अगले दिन भी बरकरार रही। नतीजतन, पूरी रात यात्रा के दौरान हर टोल प्लाजा पर FASTag के माध्यम से अलग-अलग टोल शुल्क कटता रहा।

बताया जा रहा है कि 14 मार्च से 18 मार्च तक भारतीय स्टेट बैंक के FASTag और NHAI के बीच जिम्मेदारी को लेकर टालमटोल का दौर चलता रहा। टोल प्लाजा कर्मियों ने भी 'राजमार्ग यात्रा' ऐप में तकनीकी गड़बड़ी की पुष्टि की, लेकिन समाधान नहीं हो सका।सबसे चिंताजनक बात यह है कि जहां एक ओर पहले से खरीदा गया एनुअल पास सक्रिय नहीं हो पा रहा है, वहीं उसी ऐप पर दोबारा 3000 का नया पास खरीदने का विकल्प पूरी तरह सक्रिय है। यानी वसूली की प्रक्रिया निर्बाध जारी है, लेकिन सेवा देने में सिस्टम पूरी तरह विफल नजर आ रहा है।

पीड़ित वाहन स्वामी ने ट्विटर (अब X) पर शिकायत दर्ज कराई और संबंधित ईमेल आईडी पर भी कई बार मेल भेजा, लेकिन अब तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। ऐप पर बार-बार ÷इंटरनेट कनेक्शन न होने÷ का संदेश दिखाया जा रहा है, जबकि उसी नेटवर्क पर अन्य सेवाएं सुचारू रूप से चल रही हैं।यह मामला केवल एक व्यक्ति की समस्या नहीं, बल्कि उस डिजिटल व्यवस्था की पोल खोलता है, जिसमें जवाबदेही का अभाव और तकनीकी खामियां आम नागरिकों पर भारी पड़ रही हैं। सवाल यह उठता है कि जब सिस्टम इतना कमजोर है, तो बिना तैयारी के ऐसी योजनाएं लागू क्यों की जाती हैं?

स्थानीय लोगों और वाहन चालकों ने मांग की है कि जल्द से जल्द तकनीकी खामियों को दूर किया जाए, प्रभावित उपभोक्ताओं को राहत दी जाए तथा अतिरिक्त वसूले गए टोल शुल्क की वापसी सुनिश्चित की

सरकारी कार्यालयों के रिक्त पदों पर जल्द होगी भर्ती : राकेश सचान

» सरकार के 9 साल पूरे होने पर प्रेसवार्ता कर विकास कार्यों की जानकारी दी

»ओडीओपी सब्सिडी में करोड़ों के घोटाले पर बोले-कोई जानकारी नहीं

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। सरकारी कार्यालयों के रिक्त पदों पर जल्द भर्ती होगी। इस संबंध में आलाधिकारियों से लेटर मांगे गए हैं। यह बात कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कही।सरकारी कार्यालयों में विशेषकर कलेक्ट्रेट में बाबुओं की संख्या स्वीकृत पद से काफी कम होने के सवाल के जवाब पर बताया गया कि इस संबंध में सीएम से लगातार बातचीत चल रही है, जल्द समाधान होगा। सिलेंडर की कमी और लंबी लाइनों पर मंत्री ने बताया कि पैनिक बुकिंग के चलते यह स्थिति है। सबके लिए पर्याप्त सिलेंडर है। सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, विधायक नीलिमा कटियार, सरोज कुरील, डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने सरसैया घाट स्थित निर्वाचन कार्यालय परिसर में 'नवनिर्माण के 9 वर्ष'थीम पर आधारित भव्य प्रदर्शनी का शुभारंभ करके लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिया। इस दौरान हुई प्रेस वार्ता में पत्रकारों के सवाल पर कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने जवाब दिया। ओडीओपी सब्सिडी में करोड़ों के घोटाले को लेकर किए गए सवाल पर मंत्री बोले उनको कोई जानकारी नहीं है। तत्काल उन्होंने उपायुक्त उद्योग अंजनीश प्रताप सिंह को तलब किया। मंत्री बोले मामले की जांच कराकर पूरी स्थिति को साफ करें। दोषियों को छोड़ा नहीं जाएगा। सभी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। पुलिस भर्ती परीक्षा में पूछे गए विवादित सवाल अवसरवादी के विकल्प में 'पंडित' पर बोले कि सपा के पास मुद्दों की कमी है। मामले की जांच हो रही है। गैस को लेकर मचे हाहाकार पर कैबिनेट मंत्री ने शहरवासियों से अपील की धैर्य बनाए रखे। बेवजह गैस बुक न करें। गैस की कमी नहीं है। घरेलू गैस का खूब स्टॉक है। किसी भी कीमत पर कालाबाजारी नहीं होने दी जाएगी।

2017 से पहले के यूपी और 2026 में बड़ा अंतर

कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, विधायक नीलिमा कटियार, सरोज कुरील ने कहा कि 2017 से पहले के यूपी और 2026 में बड़ा अंतर है। 10 लाख करोड़ की ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी जल्द होने वाली है। 19 और 25 मार्च को विशाल लोन मेला लगाया जाएगा। जिले में अब तक 1503.89 करोड़ रुपये की लागत से 252 परियोजनाएं पूर्ण कर जनोपयोगी बनाई जा चुकी हैं।

घाटमपुर तापीय परियोजना और पनकी विस्तार जैसी ऊर्जा परियोजनाएं नई पहचान बना रही हैं, जबकि किदवई नगरङ्गगोविंद नगर 220 केवी उपकेंद्र तैयार हो चुका है। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत 25,335 सोलर संयंत्रों से 76 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। रिंग रोड, एसटीपी अपग्रेडेशन और चुन्नीगंज कन्वेंशन सेंटर जैसी परियोजनाएं शहर की नई पहचान बना रही हैं। गोविंद नगर का आधुनिक पराग डेयरी प्लांट अप्रैल से शुरू होकर प्रतिदिन चार लाख लीटर दूध प्रसंस्करण करेगा। एडीएम सिटी डॉ. राजेश कुमार, पीडी आलोक कुमार सिंह, तहसीलदार सदर विनय द्विवेदी सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद थे।कार्यक्रम के दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित भी किया गया। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत सुमन लता शर्मा को टूल किट प्रदान की गई, जबकि मुख्यमंत्री युवा योजना के तहत कृति सिंह, प्रगति अवस्थी, हर्ष, ललित, सलमान खान, रवि सिंह, मीला कुशवाहा एवं आलोक सिंह को स्वरोजगार हेतु ऋण स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किए गए। उत्कृष्ट कार्य के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता वंदना सविता एवं बिंदु देवी को प्रशस्ति पत्र दिया गया। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत कनिष्का रावत, खुशबू सिंह, इशिका व आयुष को लैपटॉप वितरित किया गया।

श्रीराम जन्मभूमि में राष्ट्रपति ने की 'श्रीराम यंत्र' की प्रतिष्ठापना

राष्ट्रपति ने रामलला के चरणों में शीश नवाकर आरती उतारी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। चैत्र नवरात्रि के पावन प्रथम दिवस पर रामनगरी अयोध्या में आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्वितीय संगम देखने को मिला, जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में विधि-विधान से श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना कर राष्ट्र की आस्था को नई ऊँचाई प्रदान की। नव संवत्सर के शुभारंभ पर राष्ट्रपति ने रामलला के चरणों में शीश नवाकर आरती उतारी और देशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की।

इस ऐतिहासिक अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी राष्ट्रपति के साथ रामलला के समक्ष श्रद्धा अर्पित की। तीनों शीर्ष संवैधानिक और राजनीतिक हस्तियों ने मंदिर परिसर में विराजमान समस्त देवी-देवताओं के समक्ष नमन कर भारतीय सांस्कृतिक परंपरा की जीवंतता का संदेश दिया।

वैदिक मंत्रोच्चार और संत-महात्माओं की पावन उपस्थिति में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को मंदिर के द्वितीय तल पर श्रीराम यंत्र की स्थापना संपन्न हुई। यह यंत्र, जिसे दो वर्ष पूर्व जगद्गुरु शंकराचार्य विजयेंद्र सरस्वती महाराज द्वारा भव्य शोभायात्रा के माध्यम से अयोध्या लाया गया था, वैदिक गणित और ज्यामितीय संरचनाओं पर आधारित एक दिव्य ऊर्जा केंद्र माना जाता है। मान्यता है कि यह यंत्र सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर वातावरण को आध्यात्मिक रूप से समृद्ध करता है।

दक्षिण भारत, काशी और अयोध्या के विद्वान आचार्यों द्वारा इस प्रतिष्ठापना से पूर्व नौ दिवसीय वैदिक अनुष्ठान संपन्न कराया गया, जिसने इस आयोजन को और अधिक दिव्यता प्रदान की। इस अवसर पर मां अमृतानंदमयी, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि, ट्रस्टी अनिल मिश्रा सहित अनेक संत और गणमान्य उपस्थित रहे। राष्ट्रपति का यह दौरा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि 'रामत्व' के सार्वभौमिक संदेश को पुनः स्थापित करने का ऐतिहासिक क्षण बन गया—जहां आस्था, परंपरा और राष्ट्रभाव एक सूत्र में बंधते नजर आए।

हैदरगढ़ टोल कांड पर सुप्रीम कोर्ट सख्त: 'यह वकालत नहीं, गुंडागर्दी है'

बाराबंकी केस दिल्ली ट्रांसफर, टोल कर्मियों को जमानत व सुरक्षा, वकीलों की हिंसा पर कड़ी फटकार

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या/बाराबंकी। हैदरगढ़ टोल प्लाजा विवाद ने अब देश की सर्वोच्च अदालत तक गूंज पैदा कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने बाराबंकी में वकीलों द्वारा सहकर्मी के दफ्तर में तोड़फोड़ और आगजनी की घटना पर तीखी टिप्पणी करते हुए इसे खुलेआम गुंडागर्दी करार दिया। कोर्ट ने साफ कहा कि यह आचरण वकालत जैसे प्रतिष्ठित पेशे को कलंकित करता है।

मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने टोल प्लाजा कर्मचारियों को जमानत देते हुए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश यूपी के डीजीपी को दिए। साथ ही, हिंसक माहौल और स्थानीय स्तर पर वकीलों के दबाव को देखते हुए पूरा केस उत्तर प्रदेश से दिल्ली ट्रांसफर कर दिया गया।

बता दें कि यह विवाद 14 जनवरी 2026 को टोल टैक्स को लेकर वकील और टोल कर्मियों के बीच हुई झड़प से शुरू हुआ था। इसके बाद बाराबंकी के वकीलों ने टोल कर्मचारियों का केस न लड़ने का अनौपचारिक प्रस्ताव पारित कर दिया। जब वकील मनोज शुक्ला ने इसके खिलाफ जाकर जमानत याचिका दायर की, तो उनके कार्यालय में तोड़फोड़ और आगजनी की गई।

सुप्रीम कोर्ट ने मनोज शुक्ला की सराहना करते हुए उन्हें बहादुर वकील बताया और बार काउंसिल की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए।

अयोध्या में 'जर्नलिस्ट आर्मी' का गठन, अनुशासन होगा संगठन की पहचान

संरक्षक बीएस लाठी और अजय अज्जू की अगुवाई में जल्द होगा पंजीकरण और पदाधिकारियों का ऐलान

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। शहर के पत्रकारों ने एकजुट होकर बुधवार को 'जर्नलिस्ट आर्मी' नामक नए संगठन के गठन का ऐलान किया। आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से संगठन की रूपरेखा तय की गई और इसे मजबूत व प्रभावी मंच बनाने का संकल्प लिया गया।

संगठन के संरक्षक के रूप में बीएस लाठी और अजय कुमार श्रीवास्तव अज्जू को जिम्मेदारी सौंपी गई। इस दौरान अजय श्रीवास्तव अज्जू ने संगठन के उद्देश्य, कार्यप्रणाली और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि जल्द ही पदाधिकारियों की घोषणा की जाएगी और पंजीकरण की प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी।बीएस लाठी ने साफ कहा कि संगठन में अनुशासन सर्वोपरि रहेगा। हर सदस्य को नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा और अनुशासनहीनता पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अन्य पत्रकारों से भी जुड़कर संगठन को मजबूत करने की अपील की।बैठक में पत्रकार समीर शाही, अखंड सिंह, अंतरिक्ष तिवारी, राजेंद्र कुमार दूबे, आकाश गुप्ता, नवनीत कौशल, अनिल निषाद, सुमित यादव, ज्ञानेंद्र मिश्रा, शक्ति सिंह और क्षितिज साधवानी सहित कई पत्रकार मौजूद रहे। सभी ने संगठन को सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

अयोध्या

राम मंदिर में ऐतिहासिक क्षण राष्ट्रपति करेंगी श्रीराम यंत्र स्थापना

योगी, राज्यपाल और धर्माचार्यों की मौजूदगी

7 हजार मेहमान, अभेद्य सुरक्षा के बीच वैश्विक प्रसारण

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। वर्ष प्रतिपदा के पावन अवसर पर रामनगरी एक ऐतिहासिक और भावनात्मक क्षण की साक्षी बनने जा रही है। बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अभिजीत मुहूर्त में 11:55 बजे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के द्वितीय तल पर श्रीराम यंत्र की स्थापना और पूजन करेंगी। इस भव्य आयोजन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, ट्रस्ट कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि, जगद्गुरु विश्व प्रसन्न तीर्थ समेत प्रमुख संत-धर्माचार्य मौजूद रहेंगे।

यंत्र स्थापना के बाद राष्ट्रपति प्रथम तल पर विराजमान राम परिवार का दर्शन-पूजन व आरती करेंगी, फिर सप्तमंडपम में महर्षि वाल्मीकि, माता शबरी और निषादराज के मंदिरों में जाकर सामाजिक समरसता का संदेश देंगी। उनके श्रमिकों से संवाद की भी संभावना है।

समारोह का लाइव प्रसारण देश-विदेश में किया जाएगा।करीब 7 हजार विशिष्ट अतिथियों की मौजूदगी वाले इस आयोजन के लिए सुरक्षा को 13 जोन और 37 सेक्टर में बांटा गया है। लगभग 3 हजार सुरक्षाकर्मी, एनएसजी स्नाइपर और एटीएस कमांडो तैनात हैं।

राम मंदिर निर्माण की यह यात्रा 2021 के निधि समर्पण अभियान से शुरू होकर आज यंत्र स्थापना तक पहुंची है, जिसमें 2500 करोड़ से अधिक का जनसमर्थन मिला। यह केवल मंदिर नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आस्था, समर्पण और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बन चुका है।

तुलापुर में 'संदिग्ध चिता' : मौत से ज्यादा सवालों में जल गई सच्चाई!

» बिना पोस्टमार्टम अंतिम संस्कार, चौकीदार खामोश, गांव में डर या दबाव?

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या।तुलापुर गांव में 12 मार्च की रात हुई रूबी की संदिग्ध मौत अब रहस्य बनती जा रही है। अगले ही दिन सुबह आनन-फानन में गांव के बाहर उसका दाह संस्कार कर दिया गया वो भी बिना पोस्टमार्टम, बिना किसी स्पष्ट कारण के। सवाल यह है कि आखिर इतनी जल्दी किस बात की थी?गांव के लोगों के मुताबिक, मौत की वजह आज तक साफ नहीं हो पाई है। कहीं गला दबाकर हत्या की चर्चा है, तो कहीं घरेलू विवाद में आत्महत्या की बात। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इतने गंभीर मामले में न पुलिस को तत्काल सूचना दी गई, न ही कोई चिकित्सकीय जांच करवाई गई।सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि चौकीदार तक सूचना पहुंचने के बावजूद थाने को खबर नहीं दी गई। वहीं, ग्राम प्रधान की मौजूदगी में जल्दबाजी में अंतिम संस्कार कराए जाने से पूरे मामले पर शक और गहरा गया है। गांव में दहशत का माहौल है। लोग सवाल तो कर रहे हैं, लेकिन सामने आने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे।अब सबसे बड़ा सवाल यही है क्या यह महज एक हादसा था या किसी साजिश को आग के हवाले कर दिया गया? जनता की मांग है कि पुलिस तुरंत गांव पहुंचकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करे, क्योंकि यहां सिर्फ एक लड़की नहीं, बल्कि सच्चाई भी जलाई गई है।

11 दिन में यू-टर्न: मेडिकल कॉलेज में आदेशों का मज़ाक या अंदरूनी खेल?

प्राचार्य के फैसले पर सवाल, पहले कार्यमुक्त फिर वापसी, आखिर दबाव किसका?

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। राजकीय मेडिकल कॉलेज में महज 11 दिन के भीतर आदेश वापस लेने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। प्राचार्य द्वारा सीएमएस, एनेस्थेटिस्ट, डेंटल सर्जन समेत कई कर्मियों को कार्यमुक्त करने का आदेश अचानक पलट देना कई सवाल खड़े कर रहा है। क्या यह महज प्रशासनिक चूक थी या फिर अंदरखाने चल रहा कोई 'पावर गेम'?सूत्रों की मानें तो यह फैसला बिना ठोस आकलन के लिया गया था। अस्पताल में पहले से ही स्टाफ की कमी थी, ऐसे में अनुभवी चिकित्सकों को हटाने का आदेश मरीजों की जान पर जोखिम बन सकता था। लेकिन जैसे ही मामला शासन तक पहुंचा और सवाल उठने लगे, प्राचार्य ने चुपचाप अपने कदम पीछे खींच लिए। सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब स्टाफ की कमी थी, तो कार्यमुक्ति का आदेश क्यों दिया गया?

स्वराज इंडिया FOLLOW UP

और अगर आदेश गलत था, तो जिम्मेदारी तय क्यों नहीं हो रही?इस पूरे घटनाक्रम ने मेडिकल कॉलेज की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अंदरूनी गुटबाजी और दबाव की राजनीति के बीच सबसे ज्यादा नुकसान मरीजों और स्वास्थ्य सेवाओं का हो रहा है। फिलहाल, आदेश वापसी से मामला ठंडा जरूर हुआ है, लेकिन ÷स्वराज इंडिया÷ की पड़ताल में यह कहानी अभी खत्म नहीं बल्कि असली खेल अब शुरू हुआ है।

स्वराज इंडिया

अयोध्या मेडिकल कॉलेज में अचानक 'कुर्सी कांड'!

नवरात्रिः मां दुर्गा की दूसरी शक्ति ब्रह्मचारिणी की पावन कथा

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

मां दुर्गा की नवशक्ति का दूसरा स्वरूप ब्रह्मचारिणी का है। यहां ब्रह्म का अर्थ तपस्या से है। मां दुर्गा का यह स्वरूप भक्तों और सिद्धों को अनंत फल देने वाला है। इनकी उपासना से तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार और संयम की वृद्धि होती है।

ब्रह्मचारिणी का अर्थ तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। देवी का यह रूप पूर्ण ज्योतिर्मय और अत्यंत भव्य है। इस देवी के दाएं हाथ में जप की माला है और बाएं हाथ में यह कमण्डल धारण किए हैं।

पूर्वजन्म में इस देवी ने हिमालय के घर पुत्री रूप में जन्म लिया था और नारदजी के उपदेश से भगवान शंकर को पति रूप में प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या की थी। इस कठिन

कठिन क्षणों में संबल देती हैं मां ब्रह्मचारिणी...

तपस्या के कारण इन्हें तपश्चारिणी अर्थात् ब्रह्मचारिणी नाम से अभिहित किया गया। एक हजार वर्ष तक इन्होंने केवल फल-फूल खाकर बिताए और सौ वर्षों तक केवल जमीन पर रहकर शाक पर निर्वाह किया।

कुछ दिनों तक कठिन उपवास रखे और खुले आकाश के नीचे वर्षा और धूप के घोर कष्ट सहे। तीन हजार वर्षों तक टूटे हुए बिल्व पत्र खाए और भगवान शंकर की आराधना करती रहीं। इसके बाद तो उन्होंने सूखे बिल्व पत्र खाना भी छोड़ दिए। कई हजार वर्षों तक निर्जल और निराहार रह कर तपस्या करती रहीं। पत्तों को खाना छोड़ देने के कारण ही इनका नाम अपर्णा नाम पड़ गया।

कठिन तपस्या के कारण देवी का शरीर एकदम क्षीण हो गया। देवता, ऋषि, सिद्धगण, मुनि सभी ने ब्रह्मचारिणी की तपस्या को अभूतपूर्व पुण्य कृत्य बताया, सराहना की और कहा- हे देवी आज तक किसी ने इस तरह की कठोर तपस्या नहीं की। यह तुम्हीं से ही संभव थी। तुम्हारी मनोकामना परिपूर्ण होगी और भगवान चंद्रमौलि शिवजी तुम्हें पति रूप में प्राप्त होंगे। अब तपस्या छोड़कर घर लौट जाओ। जल्द ही तुम्हारे पिता तुम्हें बुलाने आ रहे हैं।

इस देवी की कथा का सार यह है कि जीवन के कठिन संघर्षों में भी मन विचलित नहीं होना चाहिए। मां ब्रह्मचारिणी देवी की कृपा से सर्व सिद्धि प्राप्त होती है। दुर्गा पूजा के दूसरे दिन देवी के इसी स्वरूप की उपासना की जाती है।

मिडिल ईस्ट युद्ध खतरनाक मोड़ पर

अमेरिकी सैनिकों की तैयारी, तेल ठिकानों पर हमलों से बढ़ा वैश्विक संकट

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

कानपुर। पश्चिम एशिया में छिड़ा युद्ध अब निर्णायक और बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है। ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच जारी यह संघर्ष 19वें दिन भी लगातार तेज होता जा रहा है और अब इसके दायरे के खाड़ी देशों तक फैलने के संकेत मिल रहे हैं। ताजा हालात बताते हैं कि यह सिर्फ क्षेत्रीय टकराव नहीं रहा, बल्कि वैश्विक संकट में बदलने की ओर बढ़ रहा है।

बीते दिनों में अमेरिका और इजरायल ने ईरान के सैन्य ठिकानों और शीर्ष नेतृत्व को निशाना बनाकर दबाव बढ़ाया है। इसके जवाब में ईरान ने आक्रामक रुख अपनाते हुए इजरायल के साथ-साथ सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात के ऊर्जा ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर दिए हैं। इन हमलों ने वैश्विक तेल आपूर्ति पर सीधा खतरा पैदा कर दिया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ गई है।

इसी बीच, डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा मिडिल ईस्ट में हजारों अमेरिकी सैनिक भेजने की तैयारी की खबरों ने हालात को और गंभीर बना दिया है। सूत्रों के मुताबिक, यह तैनाती स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तेल टैंकरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए की जा सकती है, जो दुनिया के सबसे अहम तेल मार्गों में से एक है। यदि यह कदम उठाया जाता है, तो यह सीधे सैन्य टकराव को और व्यापक बना सकता है।

रणनीतिक रूप से बेहद अहम खर्ग द्वीप, जहां से ईरान का लगभग 90% तेल निर्यात होता है, वहां भी अमेरिकी सेना की संभावित तैनाती पर चर्चा हो रही है। हालांकि सैन्य विशेषज्ञ इसे अत्यंत जोखिम भरा मान रहे हैं, क्योंकि ईरान की मिसाइल और ड्रोन क्षमता इस क्षेत्र में मजबूत मानी जाती है।

दूसरी ओर, ईरान के भीतर भी हालात तेजी से उबाल पर हैं। शीर्ष सुरक्षा प्रमुख अली लारीजानी की हत्या के बाद देश में गुस्सा चरम पर पहुंच गया है। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने साफ शब्दों में कहा है कि इस हमले का "बदला तय है" और दोषियों को इसकी कीमत चुकानी होगी। इस बयान के बाद युद्ध के और भड़कने की आशंका और गहरी हो गई है। रूस सहित कई देशों ने इन घटनाओं पर चिंता जताई है और इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया है, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात काबू में आते नहीं दिख रहे। पश्चिम एशिया में जारी यह संघर्ष अब सिर्फ सीमित सैन्य टकराव नहीं रह गया है। ऊर्जा, राजनीति और वैश्विक शक्तियों की सीधी भागीदारी के संकेत इसे एक बड़े युद्ध की ओर धकेल रहे हैं। दुनिया की नजरें अब इस बात पर टिकी हैं कि क्या कूटनीति हालात संभाल पाएगी, या फिर यह जंग इतिहास के सबसे बड़े संघर्षों में शामिल हो जाएगी।

"विजय युद्ध का" किसका पलड़ा भारी?

- **अमेरिका-इजरायल गठबंधन:** अत्याधुनिक तकनीक, मजबूत वायु शक्ति और खुफिया नेटवर्क के चलते शुरुआती बढ़त।
- **ईरान की रणनीति:** प्रत्यक्ष युद्ध के बजाय प्रॉक्सी वॉर, ड्रोन-मिसाइल हमलों से जवाब; लंबी लड़ाई में टिके रहने की क्षमता।
- **ऊर्जा हथियार:** तेल ठिकानों पर हमले कर ईरान ने वैश्विक दबाव बनाने की रणनीति अपनाई है
- यह पारंपरिक "जीत-हार" वाला युद्ध नहीं, बल्कि लंबे समय तक चलने वाला संघर्ष बनता जा रहा है।

आगे क्या हो सकता है?

- **अमेरिका की सीधी सैन्य एंट्री:** हजारों सैनिकों की तैनाती से युद्ध खुलकर सामने आ सकता है
- **खाड़ी देशों की भागीदारी:** सऊदी अरब, यूएई और कतर पहले ही निशाने पर अब वे खुलकर पक्ष ले सकते हैं
- **रूस और चीन की भूमिका:** ईरान के समर्थन में कूटनीतिक या अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप संभव
- **तेल संकट से वैश्विक असर:** भारत समेत दुनिया भर में पेट्रोल-डीजल महंगे हो सकते हैं
- **तीसरे विश्व युद्ध जैसी स्थिति का खतरा:** यदि बड़े देश सीधे भिड़े, तो यह संघर्ष वैश्विक युद्ध में बदल सकता है

ईरान होर्मुज की हलचल से खेतों तक संकट!

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे संवेदनशील समुद्री मार्गों में से एक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बढ़ते तनाव का असर अब भारत के खेतों तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। एक हालिया अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि पश्चिम एशिया में अस्थिरता भारत की उर्वरक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत का उर्वरक तंत्र, विशेषकर यूरिया उत्पादन, बड़े पैमाने पर आयातित प्राकृतिक गैस पर निर्भर है। यह गैस मुख्य रूप से उन्हीं क्षेत्रों से आती है, जहां वर्तमान में भू-राजनीतिक तनाव चरम पर है। ऐसे में यदि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न होता है, तो वैश्विक गैस कीमतों में तेजी आ सकती है, जिसका सीधा असर भारत में उर्वरक उत्पादन लागत पर पड़ेगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह संकट केवल आपूर्ति तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कीमतों के माध्यम से किसानों और खाद्य सुरक्षा तक गहराई से असर डालेगा। भारत पहले ही उर्वरकों पर भारी सब्सिडी खर्च कर रहा है। ऐसे में गैस महंगी होने पर सरकारी वित्तीय बोझ और बढ़ेगा, जिससे पूरी व्यवस्था पर दबाव बढ़ सकता है।

रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि देश में नाइट्रोजन आधारित उर्वरकों का उपयोग असंतुलित है, जिससे मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। यह मॉडल न तो आर्थिक रूप से टिकाऊ है और न ही पर्यावरण के लिहाज से उपयुक्त।

टेक्सास विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्री Raj Patel का कहना है कि "यह संकट संयोग नहीं, बल्कि नीतिगत विकल्पों का परिणाम है। वैश्विक कृषि प्रणाली अब भी जीवाश्म ईंधन आधारित संरचना पर टिकी है, जिसे बदलने की जरूरत है।"

वहीं, Stephen Muchiri के अनुसार उर्वरकों की बढ़ती कीमतें और कमी पहले से ही किसानों की चुनौतियों को बढ़ा रही हैं। "सरकारों को बायो-फर्टिलाइजर और टिकाऊ खेती जैसे स्थानीय विकल्पों में निवेश बढ़ाना होगा," उन्होंने कहा।

एशियाई किसानों की स्थिति पर Shamika Mone ने चिंता जताते हुए कहा

➪ भारत में उर्वरक निर्भरता पर उठे बड़े सवाल

कि "उर्वरक महंगे हो रहे हैं, बुवाई का समय नजदीक है और किसान लागत व उत्पादन के बीच फंसे हैं।"

Belén Citoler ने इसे एक व्यापक खाद्य प्रणाली संकट करार देते हुए कहा कि "यह केवल उर्वरक या कमोडिटी का संकट नहीं, बल्कि एक कमजोर और अलचीली खाद्य व्यवस्था की परीक्षा है।"

विशेषज्ञों के अनुसार समाधान स्पष्ट है– रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करना, जैविक और प्राकृतिक विकल्पों को बढ़ावा देना, फसल चक्र अपनाना और कृषि सब्सिडी के ढांचे में सुधार करना। एग्रोइकोलॉजी विशेषज्ञ Oliver Oliveros का कहना है कि "यदि सब्सिडी को सही दिशा में लगाया जाए तो किसानों और उपभोक्ताओं दोनों को ऐसे झटकों से बचाया जा सकता है।"

जर्मनी के किसान Olivier Jung के अनुभव भी इसी ओर इशारा करते हैं। उनका कहना है कि "ऊर्जा संकट और सप्लाई चेन में बाधा का सबसे पहला असर खेतों पर पड़ता है, इसलिए खेती को अधिक आत्मनिर्भर बनाना जरूरी है।"

विशेषज्ञों का निष्कर्ष साफ है कि ऊर्जा सुरक्षा और कृषि सुरक्षा अब एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। होर्मुज में उठी हलचल भले ही अस्थायी हो, लेकिन इसने वैश्विक खाद्य प्रणाली की कमजोरियों को उजागर कर दिया है।

अगर समय रहते नीतिगत बदलाव नहीं किए गए, तो यह संकट केवल ऊर्जा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि देश की खाद्य सुरक्षा और आम उपभोक्ता की थाली तक गहरा असर डाल सकता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 ❍ Email: swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ Website: www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी
ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com